खास बात

उपयोगी कलाओं की जननी है- आवश्यकता, ललित कलाओं की जननी है- विलासिता । पहली उत्पन्न हुई बुद्धि से और दूसरी प्रतिभा से ।

- शोपेन होर

।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 22 अंक - 59

नर्मदापुरम

सोमवार, 15 दिसंबर 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

संक्षिप्त समाचार

पंकज चौधरी को यूपी बीजेपी की कमान, ष्टरूयोगी की मौजूदगी में पीयूष गोयल ने किया ऐलान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी को आखिरकार नया प्रदेश अध्यक्ष मिल गया है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज

चौधरी के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा राष्ट्रीय परिषद चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में की। लखनऊ स्थित लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह औपचारिक ऐलान किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी पंकज चौधरी को सौंपे जाने के साथ ही संगठन में एक नए दौर की शुरुआत मानी जा रही है। इसी कार्यक्रम में पार्टी की राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का निर्वाचन भी संपन्न हुआ। पीयूष गोयल ने कहा कि सर्वसम्मति से पंकज चौधरी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो पार्टी के लिए गौरव का विषय है।

सात प्रक्षेपणों की तैयारी में इसरो, मार्च 2026 तक पहला मानवरहित मिशन भेजेगा भारत

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मार्च 2026 तक सात प्रक्षेपण मिशन करने की योजना

बनाई है। इनमें गगनयान परियोजना का पहला मानवरहित मिशन, स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली का प्रदर्शन और क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन तकनीक से जुड़े प्रयोग भी शामिल हैं। इन सात में से पहला प्रक्षेपण अगले सप्ताह होने की संभावना है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने हाल ही में संसद को बताया कि भारत का सबसे भारी रॉकेट एलवीएम-3 (एलवीएम3) अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल के ब्लूबर्ड-6 संचार उपग्रह को कक्षा में स्थापित करेगा। यह प्रक्षेपण इसरो की व्यावसायिक इकाई न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के साथ हुए समझौते के तहत किया जाएगा।

राष्ट्रपति ने गुना जिले के म्याना रेलवे स्टेशन को किया सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर गुना के 'म्याना रेलवे स्टेशन' को सम्मानित किया है। ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए म्याना रेलवे स्टेशन द्वारा 9 हजार 687 यूनिट विद्युत ऊर्जा की बचत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (नेशनल एनर्जी कंजर्वेशन अवार्ड-2025) के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट कैटेगरी (रेलवे स्टेशन) में जिला गुना के 'म्याना रेलवे स्टेशन' को बेस्ट परफॉर्मिंग यूनिट के रूप में सम्मानित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

अमृतसर में चार किलो हेरोइन, 3.90 लाख रुपये ड्रग मनी के साथ चार गिरफ्तार

चंडीगढ़। काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने विदेशी तस्करों से जुड़े ड्रग सप्लाई मॉड्यूल के चार सदस्यों को गिरफ्तार करके इस मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। इनके पास से चार किलो हेरोइन, 3.90 लाख रुपये की ड्रग मनी और एक .32 बोर पिस्तौल, मैगजीन तथा पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान युवराज सिंह निवासी रोडीवाल, अमृतसर, वरिंदर सिंह निवासी धौल कलां, अमृतसर, जगरूप सिंह निवासी संगना, अमृतसर और जुगराज सिंह निवासी सरकारिया एन्क्लेव, अमृतसर के रूप में हुई है।

मुख्यमंत्री ने श्रीअन्न फूड फेस्टिवल एवं जैविक महोत्सव का अवलोकन कर सराहा

भोपाल ■ प्रतिनिधि

जैविक उत्पादों की लगी प्रदर्शनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इंदौर में श्रीअन्न (मिलेट्स) फूड फेस्टिवल का अवलोकन कर जैविक महोत्सव को सराहा। यहाँ प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर किसानों से जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण हाट बाजार में आयोजित जैविक महोत्सव में अंतर्गत स्थापित गाय की प्रतिमा के साथ फ़ोटो भी खिंचवाए। इस दौरान नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, श्रीमती मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण भी मौजूद थे।

विश्व आर्थिक मंच के आमंत्रण पर दावोस जाएंगे सीएम डॉ. मोहन यादव, निवेश और विकास पर करेंगे चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) के आमंत्रण पर स्विट्ज़रलैंड के दावोस का दौरा करेंगे। वे 19 से 23 जनवरी के बीच दावोस में आयोजित होने वाली मंच की वार्षिक बैठक में भाग लेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री वैश्विक उद्योगपतियों, निवेशकों और नीति निर्धारकों से संवाद करेंगे। इस दौरान मध्य प्रदेश में निवेश के अवसर, औद्योगिक विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, अधोसंरचना और रोजगार सृजन से जुड़ी योजनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश सरकार का एक उच्च स्तरीय अधिकारी दल भी डेवोस जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री सचिवालय, उद्योग, ऊर्जा, तकनीकी शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अधिकारी शामिल रहेंगे। सरकार का उद्देश्य इस दौरे के माध्यम से मध्य प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय निवेश मानचित्र पर और मजबूत करना है।

प्रधानमंत्री के द्वारा दिए गए मार्गदर्शन में नेतृत्व को आगे बढ़ाऊंगा

बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का ऐलान, नितिन नबीन को सौंपी कमान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। नितिन नबीन जेपी नड्डा की जगह लेंगे।

बीजेपी ने संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए बिहार सरकार के मंत्री नितिन नवीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व में उनके बढ़ते कद और संगठनात्मक क्षमताओं में विश्वास को दर्शाती है। बिहार में पथ निर्माण मंत्री के रूप में कार्य कर रहे नितिन नवीन को राष्ट्रीय स्तर पर यह नई जिम्मेदारी दी गई है।

बता दें कि नितिन नवीन के पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा भाजपा के मजबूत नेता थे। उनके निधन के बाद जब उपचुनाव हुआ, तब जनता ने उसी परिवार के बेटे पर भरोसा जताया। यही वह क्षण था जहां नितिन नवीन की राजनीतिक यात्रा शुरू हुई। उसके बाद जो हुआ, वह बिहार की राजनीति का एक चमकता हुआ अध्याय बन गया। बांकीपुर सीट से वह लगातार चार बार जीतते रहे। सड़क निर्माण मंत्री के रूप में उनकी पहचान एक युवा, ऊर्जावान और काम करने वाले नेता की बनी। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि राजनीति के इस लंबे सफर में उनका पहला कदम विरासत की ताकत से उठाया गया था, जहां पिता की पहचान ने बेटे को राजनीति की भीड़ में अलग खड़ा कर दिया।

नितिन नबीन बोले–पटना में मीडिया से बात करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर बिहार के मंत्री नितिन नबीन ने कहा, 'मुझे अवसर देने के लिए मैं केंद्रीय नेतृत्व, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और केंद्रीय नेतृत्व में सभी को हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे प्रधानमंत्री का आशीर्वाद प्राप्त है और मैं उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और नेतृत्व को आगे बढ़ाऊंगा।'

राजनाथ, शाह और नड्डा ने भी दी बधाई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोस्ट करते हुए लिखा, 'बिहार की धरती से आने वाले युवा और ऊर्जावान नेता नितिन नबीन को भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई। वे एक कर्मठ कार्यकर्ता और कल्पना क्षमता के धनी व्यक्ति हैं। पीएम मोदी के प्रेरक नेतृत्व में वे भाजपा को सफलता की नई बुलंदियों तक ले जाने में अवश्य सफल होंगे। उनके कार्यकाल की सफलता के लिए उन्हें बहुत शुभकामनाएं।' वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नितिन नबीन की नियुक्त पर बधाई दी। वहीं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, 'ज्ञान और संस्कृति की पुण्यधरा बिहार के ओजस्वी भाजपा नेता एवं बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर उन्हें आत्मीय बधाई देता हूं। बिहार के मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर बिहार भाजपा अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने बधाई दी। वहीं बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, 'मैं भाजपा का धन्यवाद करता हूं। बिहार से नितिन नबीन राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर मनोनीत हुए हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। नितीन नबीन के नेतृत्व में बिहार के साथ-साथ पूरे देश में भाजपा मजबूती के साथ खड़ी होगी।'

पीएम मोदी ने दी नबीन को बधाई

पीएम मोदी ने बिहार के मंत्री नितिन नबीन को बीजेपी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर बधाई दी है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में कहा, 'नितिन नबीन जी ने एक कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वे एक युवा और कर्मठ नेता हैं, जिन्हें संगठनात्मक अनुभव का भरपूर लाभ है और बिहार में विधायक और मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल प्रभावशाली रहा है। उन्होंने जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया है। वे अपने विनम्र स्वभाव और व्यावहारिक कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। मुझे विश्वास है कि उनकी ऊर्जा और समर्पण आने वाले समय में हमारी पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे।

सीएम डॉ. यादव ने नितिन को दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बिहार के मंत्री श्री नितिन नबीन को भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री नबीन की अटूट निष्ठा, समर्पण, कार्यकुशलता और व्यापक अनुभव से निश्चित ही संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी।

सीएम ने इंदौर को दी विकास की अनेक सौगातें

आने वाले वर्षों में इंदौर देश के अग्रणी महानगरों में होगा शामिल : मुख्यमंत्री

773.07 करोड से बनेगा 1450 बिस्तरीय नया अस्पताल भवन

इंदौर ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा के नेतृत्व में देश और प्रदेश की स्वास्थ सुविधाओं में पिछले 11 वर्षों से लगातार वृद्धि हो रही है। मध्य प्रदेश में नए-नए मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज कॉलेज खोले जा रहे हैं। प्रदेश सरकार नागरिकों की सुविधाओं में वृद्धि के लिए दिन-रात प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार आया है। सीएम रविवार को इंदौर के महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय परिसर में कुल 773.07 करोड रुपए लागत से निर्मित होने वाले 1450 बिस्तरीय अस्पताल के नवीन भवन निर्माण कार्य के भूमि पूजन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल भी मौजूद थे।

सीएम ने इस अवसर पर कहा कि जिस तरह इंदौर शहर हमारे प्रदेश का गौरव है, उसी तरह इंदौर के एमवाय अस्पताल की भी मध्यप्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान है। उन्होंने कहा कि इंदौर में 1450 बिस्तरीय अस्पताल बन जाने से न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि हमारे पड़ोसी राज्यों के सीमावर्ती जिलों के मरीजों को भी यहां बेहतर स्वास्थ सुविधाएं उपलब्ध होगी। सीएम ने कहा कि स्वास्थ विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग को मिलाकर इस विभाग को और सशक्त बनाया गया है। उन्होंने इस अवसर पर बताया कि इंदौर के एमवाय अस्पताल में बोनमेरो ट्रांसप्लांट और किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा निशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को नए अस्पताल भवन के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

ऑस्ट्रेलिया में त्योहार मना रहे यहूदियों पर आतंकी हमला, फायरिंग में 12 की मौत

सिडनी ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बोंडी बीच पर हुई गोलीबारी के मामले में मौत का आंकड़ा सामने आया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया है कि रविवार को सिडनी के बोंडी बीच पर हुई मास शूटिंग में कम से कम 12 लोग मारे गए हैं।

पुलिस ने पुष्टि की है कि कई लोगों की मौत हुई है, और दो लोग कस्टडी में हैं। फायरिंग उस वक्त हुई, जब यहूदी समुदाय के लोग शाम को हनुक्का का जश्न मना रहे थे। हनुक्का यहूदियों के लिए रोशनी का त्योहार है, जिसे आठ दिनों तक मनाया जाता है। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन के अनुसार, कम से कम 16 लोगों को अस्पताल ले

जाया गया है और घटनास्थल पर अन्य लोगों का इलाज किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने 50 राउंड तक गोलियों की आवाज सुनी है। कैंपबेल परेड के पास जमीन पर लोग पड़े हुए थे।

इस बीच ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इस घटना पर अफसोस जताते हुए कहा, 'बोंडी के दृश्य चौंकाने और परेशान करने वाले हैं।

...और पीछे से जाकर एक युवक ने छीन ली बंदूक

गोलीबारी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर हर कोई हैरान है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक हमलावर पेड़ के पीछे छिपकर गोलियां चला रहा है, तभी एक निहत्थे व्यक्ति ने हिम्मत दिखाते हुए हमलावर को दबोच लिया और उसी की बंदूक लेकर उसी पर तान दी।

मप्र के भोपाल के आईएचएम ने रचा इतिहास, 269.9 फीट लंबा सैंडविच बनाकर दर्ज कराया रिकॉर्ड

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित पर्यटन मंत्रालय के तहत इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) ने रविवार को अपने परिसर में दुनिया का सबसे लंबा सैंडविच तैयार कर इतिहास रच दिया। आईएचएम की 70-80 छात्रों और स्टाफ की टीम ने 269.9 फीट लंबा और करीब 8 इंच चौड़ा सैंडविच तैयार किया। यह सैंडविच मात्र 7 मिनट 26 सेकेंड में बनाया गया। लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम की मौजूदगी में रविवार को पूरा आयोजन हुआ और रिकॉर्ड फिलहाल दर्ज कर लिया गया है। इससे पहले का रिकॉर्ड 223 फीट का था, जिसे अब आईएचएम भोपाल ने पीछे छोड़ दिया। भोपाल में लोगों ने 269.9 फीट लंबा और करीब आठ इंच चौड़ा सैंडविच बनते हुए देखा, जो अपने आप में एक अनोखा नजारा था।

टीटी नगर स्टेडियम में मंत्री सारंग ने किया मप्र की 3 प्लेयर्स का सम्मान

भोपाल ■ प्रतिनिधि

ब्लाइंड वीमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2025 जीतकर लौटी भारतीय टीम की मध्यप्रदेश की खिलाड़ियों से खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को टीटी नगर स्टेडियम में भेंट की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की तीनों खिलाड़ियों की उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

मंत्री सारंग ने नर्मदापुरम-पिपरिया की सुनीता सराठे, बैतूल की दुर्गा येवले और दमोह की सुषमा पटेल से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज हर नेशनल टीम में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो प्रदेश की मजबूत खेल नीति और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है।

बेटियों ने बढ़ाया प्रदेश का मान

मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि हाल ही में दृष्टिबाधित महिला टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने नेपाल को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस विजेता टीम में मध्यप्रदेश की तीन बेटियों की मौजूदगी पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। इन बेटियों ने न सिर्फ देश का, बल्कि मध्यप्रदेश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया है।

स्वामी विवेकानंद के विचारों का हवाला देते हुए बोले - भागवत 'एकता से ही राष्ट्र सशक्त...'

हिंदू समाज को एकजुट होकर सांस्कृतिक जड़ों पर गर्व करना चाहिए

श्री विजय पुरम ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज को एकजुट होकर अपनी सांस्कृतिक जड़ों पर गर्व करना चाहिए, क्योंकि एकता से ही समाज और राष्ट्र मजबूत बनते हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का हवाला देते हुए कहा कि हर राष्ट्र का एक लक्ष्य और एक नियति होती है, जिसे पूरा करना उसका दायित्व है।

श्री विजय पुरम में शनिवार को नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन समिति की

ओर से आयोजित सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि आज के दौर में केवल सत्य नहीं, बल्कि शक्ति भी वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाती है। उन्होंने कहा, दुनिया सिर्फ सत्य को नहीं, शक्ति को भी मानती है। जिसके पास शक्ति है, उसे दुनिया स्वीकार करती है।

यदि हिंदू समाज जागृत होगा तो पूरा विश्व जागृत होगा *– इस दौरान मोहन भागवत ने कहा कि यदि हिंदू समाज जागृत होगा तो पूरा विश्व जागृत होगा। उनका कहना था कि भारत से ही दुनिया को मार्गदर्शन मिलने की उम्मीद है। समस्याओं में उलझने के बजाय समाधान खोजने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए शक्ति जरूरी है और शक्ति एकता से आती है।*

हर समस्या का समाधान टकराव नहीं– भागवत– *महाभारत का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान टकराव नहीं होता। भगवान कृष्ण ने बुद्धिमत्ता और समझदारी से बिना संघर्ष के समस्या का समाधान किया, यही सीख हमें भी लेनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देशभक्ति एक नागरिक कर्तव्य है और यह तय करने का समय है कि हम अपने घरों में किन मूल्यों को स्थान देना चाहते हैं।*

नई दिल्ली में मध्यप्रदेश उत्सव का रंगारंग समापन

मालवी संस्कृति से सराबोर रहा उत्सव

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नई दिल्ली में चल रहे तीन दिवसीय मध्यप्रदेश उत्सव का रविवार को रंगारंग समापन हुआ। मध्यप्रदेश उत्सव की सांस्कृतिक संध्या में उज्जैन की सुप्रसिद्ध लोक कलाकार सुश्री हीरामणि वर्मा ने मटकी लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस नृत्य ने दर्शकों को मालवी अंचल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया।

ढोलक और हार्मोनियम की मधुर धुनों पर आधारित इस नृत्य में कलाकार ने सिर पर मटकी रखकर पारंपरिक गीतों की लय पर भावपूर्ण नृत्य किया, जो मालवी संस्कृति की सरलता, सौहार्द और उल्लास को दर्शाता है। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में कुल 19 बच्चों ने भाग लिया और अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। तितली,

सिपाही, पेड़, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई, झांसी की रानी, नर्स और ट्रैफिक सिग्नल जैसे विभिन्न रूपों में सजे बच्चों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों ने अपनी वेशभूषा के माध्यम से सामाजिक सरोकारों और राष्ट्रीय मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

भोपाल जवाहर चौक स्थित जैन समाज मंदिर में तीन दिवसीय अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित हुआ इस सम्मेलन में देशभर से जैन समाज के लोग शामिल हुए इस सम्मेलन में जैन समाज की युवक एवं युवतियों ने अपने भावी जीवन के लिए अपना परिचय दिया।

मध्यप्रदेश जल संसाधन विभाग की 34वीं अर्न्तक्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

खेल प्रतियोगिताओं से सकारात्मकता और भाईचारे की भावना होती है विकसितः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल ■ निसं

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से सकारात्मक वातावरण के निर्माण के साथ ही भाईचारे की भावना विकसित होती है। खेल गतिविधियों में भाग लेने वाले खिलाड़ी खेल भावना से खेलते हैं और हारने के बाद भी जीतने वाले को बधाई देते हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा में आयोजित मध्यप्रदेश जल संसाधन विभाग की 34वीं अर्न्तक्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में 6 दिनों तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई विभाग के अधिकारी व कर्मचारी अपने आपको शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रतिवर्ष करते हैं। रीवा में आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अधिकारी व कर्मचारियों का स्वागत करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा की पवित्र भूमि में आप सब पधारे हैं। इस भूमि के एक तरफ चित्रकूटधाम तथा दूसरी तरफ माँ विन्ध्यवासनी देवी विराजी हैं। रीवा को बाबा महामृत्युंजय, चिरहुलानाथ एवं रानीतालाब की माँ कालिका का आशीर्वाद है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा में सोन और बीहर नदी का पानी अविरल रूप से बहता रहता है। बाणसागर बांध के बन जाने से सिंचाई की नहरों के माध्यम से किसानों के खेतों तक पानी पहुंच रहा है। अभी 3 लाख एकड़ क्षेत्र में पानी मिल रहा है शीघ्र ही 6 लाख एकड़ में पानी पहुंचने लगेगा और आगामी वर्षों में रीवा एवं मऊगंज जिले के 9 लाख एकड़ क्षेत्र में किसानों को पानी मिलेगा और एक-एक इंच भूमि सिंचित हो जायेगी। उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि सिंचाई विभाग द्वारा ही हो रही है। मुझे खुशी है कि विभाग के अधिकारी व कर्मचारी अपने आपको फिट रखने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करते हैं। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के मेहनत से ही प्रदेश में 54 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो रही है। आने वाले समय में एक करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी और प्रदेश का एक-एक इंच भाग सिंचित होगा और मध्यप्रदेश अग्रणी प्रदेश बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री ने पूर्व सांसद डॉ. रामविलास वेदांती के स्वास्थ्य की जानकारी ली

भोपाल। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल पहुंचकर पूर्व सांसद डॉ. रामविलास वेदांती महाराज के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा चिकित्सकों से उनके उपचार के संबंध में की। उप मुख्यमंत्री ने पूर्व सांसद को बेहतर उपचार के लिये एम्स भोपाल भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश चिकित्सकों को दिये। उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर डॉ. वेदांती को एयरलिफ्ट कर भोपाल ले जाया गया। सुपर स्पेस्लिटी अस्पताल में उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने डॉ. वेदांती को भोपाल रवाना कराया। इस दौरान डीन डॉ. सुनील अग्रवाल सहित चिकित्सक उपस्थित रहे।

खुदकुशी की कोशिश करने वाली एम्स की महिला डॉक्टर ही हालत बेहद नाजूक

भोपाल। ड्यूटी के बाद घर पर जहरीला इंजेक्शन लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास करने वाली एम्स भोपाल के ट्रॉमा और इमरजेंसी मेडिसिल विभाग की महिला असिस्टेंट प्रोफेसर की स्थिति काफी नाजूक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार अवधपुरी पुलिस ने उकनी मां और भाई के बयान दर्ज किए है, जिसमें उन्होंने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया। मामले में डॉ. रश्मि के पति डॉ. मनमोहन शावय का कहना है की गुरुवार को वे ड्यूटी से सामान्य रूप से घर लौटी थीं। घर का माहौल सामान्य था, लेकिन कुछ देर बाद वे बेहोशी की हालत में नजर आई इसके बाद रात करीब 10:30 बजे उन्हें गंभीर हालत में एम्स लाया गया। पुलिस को असपताल में भर्ती असिस्टेंट प्रोफेसर के होश में आने का इंतजार है। सारे घटनाक्रम का खुलासा प्रोफेसर के बयानों से ही हो सकेगा। हालांकि पुलिस का कहना है, फिलहाल उनकी स्थिति बयान देने की नहीं है।

आगे बढ़ने से रोकने पुलिस ने चलाई वाटर कैनन, कई घायल

भोपाल में आईएएस संतोष वर्मा के विरोध प्रदर्शन खिलाफ सड़कों पर उतरा ब्राह्मण समाज

सीएम हाउस घेराव की कोशिश, पुलिस से हुई धक्का मुक्की

भोपाल ■ निसं

आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा दिये गये बयान के बाद उनके खिलाफ कार्यवाही किये जाने की मांग का मामला लगातार गर्माता ता जा रहा है। इसे लेकर के राजधानी भोपाल में रविवार को ब्राह्मण समाज ने संतोष वर्मा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। तय कार्यक्रम के अनुसार सुबह के समय से ही बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी रोशनपुरा चौराहे पर जमा हो गए। इसके बाद जमकर नारेबाजी करते हुए सीएम हाउस का घेराव करने के लिये आगे बढ़े। पहले से दल-बल के साथ तैनाम पुलिस जवानो ने उन्हें रोकने का प्रयास किया जिसके कारण प्रदर्शनकारियो और पुलिस के बीच धक्कामुक्की के हालात बन गये। गुस्साये प्रदर्शनकारी रोशनपुरा चौराहे पर पुलिस का घेरा तोड़कर बाणगंगा चौराहे तक पहुंच गए। यहॉ भी उन्हें रोकने के लिये बैरिकेडिंग की गई थी, इसके बाद भी वे लगातार आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। स्थिति संभालने के लिए पुलिस को वॉटर कैनन चलाना पड़ी।

इस बीच हुई धक्का-मुक्की के दौरान कई वृद्ध और महिलाओ के घायल हुई जिन्हें मौके पर मौजूद एम्बुलेंस और मेडिकल टीम ने प्राथमिक उपचार दिया। वहीं हालात गंभीर होते देख अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर बुलाया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारी आईएएस संतोष वर्मा की तत्काल गिरफ्तारी और सेवा से बर्खास्तगी किये जाने की मांग पर अड़े रहे। उन्होंने सरकार और प्रशासन के खिलाफ भी कार्यवाही न करने को लेकर जमकर नारेबाजी की। गौरतलब है कि इससे पहले ब्राह्मण बेटियों को लेकर आपत्तिजनक कमेंट करने वाले सीनियर आईएएस संतोष कुमार वर्मा के खिलाफ राज्य सरकार ने बर्खास्तगी का प्रस्ताव भेजा है। हालांकि प्रशासनिक जानकारों का कहना है कि सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने जो प्रस्ताव भेजा है, वह अधूरा है। प्रस्ताव में यह साफ नहीं है कि सरकार संतोष वर्मा को बर्खास्त करना चाहती है या सिर्फ उनका प्रमोशन रद्द करना चाहती है। इस अस्पष्टता के कारण केंद्र सरकार प्रस्ताव को वापस भी कर सकती है। 12 दिसंबर को यह प्रस्ताव कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भेजा गया। इसमें संतोष वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई है, लेकिन कार्रवाई के ठोस कारण स्पष्ट रूप से नहीं बताए गए हैं। वहीं प्रदर्शनकारियो ने भी कहा की सरकार का रुख आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ कड़ी कार्यवाही किये जाने को लेकर साफ नहीं है।

भोपाल आज रातीबड़ स्थित पटेल कॉलेज में 24 वा अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित हुआ इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के पशुपालन मंत्री लखन पटेल रामकृष्णकुसमरिया रामखेलावन पटेल सहित अनेक अतिथि उपस्थित रहे इस परिचय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के द्वारा समाज के अनेक लोगों के साथसमाज की स्मारिका का विमोचन किया एवं कुर्मी छतरी समाज की युवक युवतियों ने अपना परिचय दिया इस कार्यक्रम में देश भर से कुर्मी छतरी समाज के लोग शामिल हुए

'बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन' बना मध्यप्रदेश

'ट्रेवल + लीजर इंडियाज बेस्ट अवॉर्ड्स-2025' में मिला प्रतिष्ठित सम्मान

भोपाल ■ निसं

अतुल्य भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश को अद्वितीय जैव-विविधता और नैसर्गिक घने जंगलों के लिए प्रतिष्ठित 'ट्रेवल + लीजर इंडियाज बेस्ट अवॉर्ड्स 2025' में बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान नई दिल्ली के आईटीसी मौर्य स्थित नन्दिया गार्डन्स में आयोजित गरिमामयी समारोह में प्रदान किया जायेगा। यह अवॉर्ड्स का 14वां संस्करण है, जिसमें मध्यप्रदेश को देश के वन्यजीव अनुभवों के केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश को 'बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन' का अवॉर्ड मिलना अत्यंत गौरव का विषय है। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि प्रकृति ने मध्यप्रदेश को खुले हाथों से संवारा है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार ने उस धरोहर को उतनी ही शिद्दत से सहेजा है। यह पुरस्कार पर्यटन विभाग, वन विभाग और उन सभी प्रकृति प्रेमियों को समर्पित है।

वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों की जीतः राज्य मंत्री लोधी सस्टेनेबल टूरिज्म की दिशा में कार्य करने के लिए करेगा प्रेरित : एसीएस शुक्ला

अपर मुख्य सचिव, पर्यटन, संस्कृति, गृह एवं धार्मिक न्यास और धर्मस्व शिव शेखर शुक्ला ने इसे दूरदर्शी पर्यटन नीतियों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि पुरस्कार मध्यप्रदेश की कंजर्वेशन-लेड टूरिज्म (संरक्षण आधारित पर्यटन) नीति की सफलता को रेखांकित करता है। हमारा प्रयास केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि उन्हें जंगल के नैसर्गिक सौंदर्य और जैव-विविधता का एक जिम्मेदार और यादगार अनुभव देना है। यह सम्मान हमें और अधिक प्रतिबद्धता के साथ सस्टेनेबल टूरिज्म की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

मिनी ट्रक ने पैदल जा रहे अधेड़ को रौंदा, मौत

भोपाल, निप्र। बैरसिया थाना इलाके में बीती दोपहर एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने पैदल जा रहे व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस के मुताबिक बैरसिया में रहने वाले प्रेमनारायण कुशवाहा पिता हीरालाल (52) पेशे से खेती-किसानी का काम करते थे। बीती दोपहर वह तरावली जोड़ से गुजर रहे थे। तभी पीछे से आए तेज रफ्तार मिनी ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। एक्सीडेंट में उन्हें जानलेवा चोटें आई थी, हालांकि उन्हें इलाज के लिये सरकारी अस्पताल बैरसिया पहुंचाया गया जहॉ कुछ समय चले उपचार के बाद उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

भगत सिंह नगर में दस स्थानों पर होंगे भव्य हिन्दू सम्मेलन

बस्तियों में जनजागरण के लिए निकाली जा रही प्रभात फेरिया

भोपाल ■ निसं

राजधानी के भगत सिंह नगर भोपाल में 11जनवरी 2026से अलग अलग बस्तियों में भव्य हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जिसकी तैयारिया बड़े स्तर पर की जा रही है सकल हिन्दू समाज के तत्वाधान में यह आयोजन किया जाएगा सकल हिन्दू समाज के प्रचार प्रमुख दिनेश शर्मा ने बताया कि करोंद के दशहरा मैदान हाउसिंग बोर्ड,विश्वकर्मा नगर प्रसून पार्क, पीपल चौराहा,राजबाग, लांबाखेड़ा,संजय नगर,भोपाल मेमोरियल अस्पताल बढ़वाई आदि स्थानों पर किए जाएंगे। जिसको लेकर अलग अलग बस्ती आयोजन समितियों का गठन किया जा रहा है जिसमें बस्तीवार बैठकें ओर जन जागरण के लिए प्रभात फेरियां निकल रही हैं। 11 जनवरी हिंदू से यह सम्मेलन शुरू होंगे हाउसिंग बोर्ड करोंद में पहला सम्मेलन होगा उक्त बस्ती के अध्यक्ष श लक्ष्मी नारायण नामदेव उपाध्यक्ष श्रीजी रैकवार से संयोजक बनी जाट , कमलेश साहू ,अनिकेत शर्मा , लोकेश साहू ,बंटी राजपूत , नंदकुमार चौहान ,लाल जैन , अमन जैन , मनोज वाधवानी राजेश जैन , अमित नामदेव , सुशील शर्मा , बिमला रैकवार , सुनीता सिंह , राजकुमार , नर्मदा प्रसाद आदि आयोजन समिति में रहेंगे।इसी तरह बस्ती विश्वकर्मा नगर स्थान प्रसून पर दिनांक 18 जनवरी 2026 हिंदू सम्मेलन की आयोजन समिति में शिवनंदन सोलंकी ,सचिन बालचंद हवेलिया, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता श्रीवास्तव, व्यवस्था प्रमुख लक्ष्मी नारायण मालवी, विक्रम सिंह ,लीलाधर जी, प्रकाश बैरागी, सुरेंद्र सिंह , राजवीर सिंह , दिनेश शर्मा , उमेश तिवारी , भूपेंद्र जी मनोज नामदेव , कमलेश , महेश लोधी , संतोष चौकसे , ओम प्रकाश ज्वारीय दया शंकर , महेंद्र सिंह राजपूत, सुंदर जी आदि रहेंगे।

बस्ती द्वारका धाम हिंदू सम्मेलन तिथि 18 जनवरी 2026 स्थान द्वारका धाम मैदान मैदानः आयोजन समिति अध्यक्ष राजकुमार चतुर्वेदी , सचिव सुनील पांडे , उपाध्यक्ष श्रीमती सुजाता तिवारी जी, धीरज कुमार जी विनोद कुमार गुप्ता जी मनन राय जी देवेंद्र पाठक जी डॉक्टर प्रकाश धनकनी जी हिमांशु वर्मा जी उपेंद्र शुक्ला जी राजेश कुमार पांडे जी रेखा शिवानी जी कृष्ण कुमार जी गोविंद शरण जी महेश कुमार जी अमित गर्ग जी कन्यालाल जी मोनू लोधी जी आर के भारती जी आदि रहेंगे।संजीव नगर में डालूराम तेंनवीर,अमर अग्रवाल,लखविंदर सिंह,कविता सिंह,नरेंद्र शर्मा,सतीश सोनी,नितिन उपाध्याय,अरविंद सैंगर,अभिषेक द्विवेदी, राकेश राय, मंजीत ठाकुर,पूजा जी,रितेश मिश्रा,अभिषेक शर्मा,अमन पांडे ,शैलेन्द्र परिहार आदि को जिम्मेदारी दी गई है।

पारिवारिक विवाद में जीजा ने चाकू मारकर की साले की हत्या

भोपाल। देहात इलाके के गुनगा थाना क्षेत्र में बीती देर रात पारिवारिक विवाद के चलते गुस्साये जीजा ने चाकू से साले पर कातिलाना हमला कर दिया। गंभीर हालत में घायल साले को इलाज के लिये अस्पताल पहुचाया गया जहॉ उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम खादमपुर में रहने वाला 18 वर्षीय अब्दुल उर्फ अब्दुल्ला खॉन ट्रक ड्रायवरी करता था। उसकी बहन की शादी रातीबड़ क्षेत्र के ग्राम डोबरा में रहने वाले भूरा खान से हुई थी। बीते काफी दिनो से उसकी बहन का अपने पति भूरा खान से विवाद चल रहा है। और वह करीब दो महीने से अपने मायके में रह रही थी। बीते दिन इसी बात को लेकर जीजा-साले के बीच फोन पर कहासुनी हो गई थी। इससे गुस्सा होकर रात में भूरा पत्नि को लेने अपने ससुराल पहुंचा। पत्नी ने उसके साथ जाने से इंकार कर दिया। इसे लेकर आरोपी और उसके ससुराल वालों के बीच एक बार फिर जमकर बहस हो गई। आरोपी जीजा ने अपशब्द कहना शुरू कर दिए, इससे गुस्सा होकर अब्दुल ने भी जीजा के साथ दुर्व्यवहार कर दिया। भुरा खॉन को लगता था।

व्यक्ति निर्माण से ही समाज परिवर्तन संभव, सिर्फ़ व्यवस्था परिवर्तन से बदलाव स्थायी नहीं: मुकुंद

भोपाल, निप्र। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भोपाल विभाग की ओर से रविवार को कवर्ड कैंपस कार्य के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनआईटीटीआर में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य कवर्ड कैंपस में संघ कार्य को और अधिक सशक्त बनाना तथा कार्यकर्ताओं को वैचारिक स्पष्टता के साथ समाज परिवर्तन की दिशा में प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मुकुंद मु य रूप से उपस्थित हुए और उन्होंने जनशक्ति एवं मातृशक्ति से आत्मीय संवाद किया। कार्यक्रम में मध्यभारत प्रांत के सह संघचालक डॉ. राजेश सेठी, भोपाल विभाग संघचालक सोमकांत उमालकर सहित विभाग के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और कवर्ड कैंपस में सक्रिय स्वयंसेवक उपस्थित रहे। संवाद का वातावरण विचारोत्तेजक और प्रेरणादायी रहा।

व्यक्ति निर्माण से ही समाज परिवर्तन संभवः सह सरकार्यवाह मुकुंद ने कहा कि संघ कार्य की दृष्टि से कवर्ड कैंपस अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहाँ कार्य करने वाले लोग स्वभाव से ही राष्ट्रीय विचारधारा से प्रेरित होते हैं और अपने आचरण तथा संपर्क के माध्यम से व्यक्ति और समाज में राष्ट्रभाव जागृत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्ति निर्माण से ही समाज परिवर्तन संभव है और यही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल उद्देश्य है।

'बेगम्स ऑफ भोपाल' की टीम को लायंस क्लब इंटरनेशनल ने दिया एक्सीलेंसी इन वूमेन एंटरप्रेन्योर अवार्ड

सूफ़ियाना रंग में सजा गौहर महल, परी बाजार का हुआ भव्य समापन

भोपाल ■ निसं

गौहर महल की फिज़ाओं में रविवार की शाम सुर, साज़ और रूहानियत की ऐसी महफ़िल सजी, जिसने 'परी बाजार' के छठवें सीजन को यादगार बना दिया। वूमेन एजुकेशन एंड एम्पॉवरमेंट सोसायटी (वीस) द्वारा 'सशक्त मध्यप्रदेश' थीम पर आयोजित वार्षिक आयोजन 'बेगम्स ऑफ भोपाल' की अंतिम शाम जयपुर के मशहूर साबरी ब्रदर्स की कव्वालियों के नाम रही। गुलाबी ठंड के बीच उस्ताद अमीन साबरी और तनवीर साबरी ने अपनी आवाज़ के जादू से परिसर के हर कोने को इश्क़, इबादत और इंसानियत के रंगों से भर दिया। पिता-पुत्र की इस जोड़ी ने प्रस्तुति की शुरुआत कौमी एकता को समर्पित कव्वाली 'तू देर हो रहम का मालिक है...' से की, जिसने समां बांध दिया। इसके बाद 'छाप तिलक सब छीनी...', 'देर न हो जाए...' जैसी कव्वालियों पर श्रोता खुद को थिरकने से रोक न सके। महफ़िल जैसे-जैसे आगे बढ़ी, 'जिंदा रहने के लिए तेरी कसम...', 'अल्लाह अल्लाह तारीफ़ तेरी...', 'नहीं होना था नहीं होना था...' जैसे गीतों ने दिलों की तारों को छू लिया। समापन 'दमा दम मस्त कलंदर...' और ग़ज़ल 'वही फिर हमें याद आने लगे...' के साथ हुआ, जिसने महफ़िल को ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया। इस रूहानी प्रस्तुति में साबरी ब्रदर्स के साथ कोरस पर समीर और शब्बीर साबरी, ऑक्टोपैड पर मतीन, ढोलक पर सादिक और आसिफ हुसैन, तबले पर मोहसिन हुसैन तथा बैंजो पर आकिब हुसैन ने बेहतरीन संगत दी। इसी अवसर पर लायंस क्लब इंटरनेशनल सर्वोदय के डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लॉयन नौमान ए खान ने पिछले छह वर्षों से परी बाजार के सफल आयोजन के लिए 'बेगम्स ऑफ भोपाल' की टीम को एक्सीलेंसी इन वूमेन एंटरप्रेन्योर अवार्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल विशेष रूप से उपस्थित हुए।

इससे पहले सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत 'शाम-ए-ग़ज़ल' से हुई। उस्ताद सलीम अल्लाहवाले ने अपने साथी कलाकारों के साथ 'बहुत बेचैन है दिल तुम जहां भी हो चले आओ...' से महफ़िल का आग़ाज़ किया। 'हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी...', 'तेरा जैसा कोई इलाही नहीं...', 'रंजिश ही सही...', 'कोई फ़रियाद तेरे दिल में दबी हो जैसे...' जैसी ग़ज़लों ने अदब और एहसास से सजी शाम को और भी खास बना दिया। तबले पर मोहम्मद नईम, गिटार पर मोहम्मद सौलत और शाहिद मासूम तथा सिंथेसाइज़र पर संगत ने इस प्रस्तुति को मुकम्मल किया। इतिहास और वर्तमान को जोड़ने का प्रयास: परी बाजार के अंतर्गत आयोजित बुक रिव्यू सत्र में भी विचारों की रौशनी बिखरी। महिलाओं के जीवन, संघर्ष और समाज की दिशा पर केंद्रित पुस्तकों पर सार्थक चर्चा हुई। विनीता ढौंडियाल ने अपनी पुस्तक 'नोबेल जायरा' को भोपाल की बेटी की कहानी बताते हुए युवाओं से संवाद किया। वहीं अशर खिदवई ने सुल्तान जहां बेगम और बरकतउल्लाह भोपाली पर लिखी पुस्तकों के माध्यम से इतिहास और वर्तमान को जोड़ने की बात कही। सत्र के अंत में नफीसा सुल्ताना अना की पुस्तक 'दीवान-ए-अना' का विमोचन हुआ। इससे पहले दिन में किड्स फैशन शो, ओपन माइक और आमिर महबूब द्वारा संयोजित क्विज प्रतियोगिता संपन्न हुई।

उप मुख्यमंत्री ने भव्य शुभारंभ की तैयारियों की समीक्षा की

रीवा से इंदौर के लिये इंडिगो एयरलाइन्स का विमान 22 दिसंबर को भरेगा उड़ान

भोपाल ■ निसं

रीवा से इंदौर के लिये सीधी विमान सेवा 22 दिसंबर से प्रारंभ होगी। इंडिगो एयरलाइन्स का विमान रीवा एयरपोर्ट से इंदौर के लिये 22 दिसंबर को रवाना होगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा एयरपोर्ट पहुंचकर भव्य शुभारंभ की तैयारियों का जायजा लिया तथा एयरपोर्ट एवं इंडिगो एयरलाइन्स के दिल्ली एवं मुंबई से आये अधिकारियों से व्यवस्थाओं, यात्री सुविधाओं एवं संचालन के संबंध में विस्तार से समीक्षा की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा से इंदौर हवाई सेवा विन्ध्य क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति देगा तथा विकास, व्यापार और पर्यटन के अवसरों को सशक्त बनाएगा। इससे विन्ध्य क्षेत्र के इंदौर में निवासरत हजारों नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी और इंदौर विमानतल से मुंबई, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, बैंगलोर आदि शहरों के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस हवाई सेवा से विन्ध्य क्षेत्र के सतना, सीधी, शहडोल, मऊगंज आदि क्षेत्रों के नागरिकों को व्यापार, व्यवसाय के साथ ही विद्यार्थियों को शिक्षा में सुविधा भी मिलेगी। इस अवसर पर रीवा एयरपोर्ट एवं इंडिगो के अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुदेव शिक्षा एवं समाज सेवा समिति ने किया सेमन नाले पर बोरी बंधान

माखननगर, निप्र। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् की नवांकुर संस्था गुरुदेव शिक्षा एवं समाज सेवा समिति द्वारा सेक्टर क्रमांक 04 के ग्राम मानागांव के पास स्थित प्राचीन गुरुआ बाबा मंदिर के पास सेमन नाले पर 58 बोरिओं से बोरी बंधान किया गया। बोरी बंधान कार्यक्रम के दौरान जिला समंवयक पवन सहगल ने कहा कि जन अभियान परिषद पूरे मध्य प्रदेश में जल संचय अभियान अंतर्गत जल संरक्षण की विभिन्न गतिविधियों की जा रही हैं। इसी क्रम में आज माखन नगर सेक्टर क्रमांक 04 के ग्राम मानागांव के पास स्थित सेमन नाला पर बोरी बंधान किया जा रहा है, जिससे यहाँ पर लंबे समय तक जल का भराव रहे।

कटनी जिला विकास सलाहकार समिति की हुई बैठक

जिला अधिकारी जन-प्रतिनिधियों के साथ करें सतत संवाद : मंत्री सिंह

भोपाल ■ निसं

परिवहन एवं कटनी जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बेहतर परिणाम के लिये जिला अधिकारी जन-प्रतिनिधियों के साथ सतत संवाद करें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जहाँ समाज के प्रत्येक वर्ग के प्रतिनिधि के सेवाभाव से विकास को नई गति दी जायेगी। मंत्री सिंह शनिवार को कटनी जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में सांसद डॉ. व्ही.डी. शर्मा, विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक, श्रीप्रसाद जायसवाल, प्रणय प्रभात पाण्डेय और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मेहरा भी मौजूद थीं।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने सदस्यों से कहा कि आगामी बैठक में क्षेत्र की समस्याओं से समिति को अवगत कराया जाये, जिससे उनका निराकरण किया जा सके। बैठक में बताया गया कि जल्द ही जिले के लिये स्वीकृत मेडिकल भवन का भूमिपूजन किया जायेगा। बैठक में जानकारी दी गई कि जल निगम द्वारा जुलाई, 2026 तक पवई-2 परियोजना में कटनी और रीठी के 159 गाँवों में जल आपूर्ति शुरू कर दी जायेगी। जिले में हाल ही में हुई माइनिंग कान्क्लेव के बाद 46 खनिज खदानें स्वीकृत हुई हैं। इमलिया गोल्ड माइन के उत्खनन के लिये अनुबंध पूरा कर लिया गया है। प्रभारी मंत्री ने डोलोमाइट की ट्रांसपोर्टिंग को रोकने तथा जिले में ही उसकी खपत बढ़ाकर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम उठाने के निर्देश दिये। कलेक्टर आशीष तिवारी ने जानकारी दी कि औद्योगिक क्षेत्र टिकरिया तखला में उद्योगपतियों को 32 प्लॉटों का आवंटन किया जा चुका है। जिले में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत सरसों की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। नरवाई प्रबंधन के लिये अच्छे कार्यों की जानकारी दी गई।

संक्षिप्त समाचार

सिविल सर्विसेस लॉन टेनिस की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे नयन

खंडवा, निप्र। अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज लॉन टेनिस प्रतियोगिता में लोक निर्माण विभाग के श्री नयन सुगंध भी शामिल होंगे। नयन इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों में प्रथम स्थान पर हैं। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता और जिला पंचायत के सीईओ डॉक्टर नागार्जुन गौड़ा ने शनिवार शाम को नयन की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दीं। खेल और युवा कल्याण विभाग के जिला खेल प्रशिक्षक अमीन अहमद ने बताया अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज लॉन टेनिस प्रतियोगिता गांधीनगर गुजरात में आगामी 16 से 22 दिसंबर 2025 तक आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में लोक निर्माण विभाग के नयन सुगंध टीम में प्रथम स्थान पर भाग ले रहे है। उन्होंने बताया कि नयन सुगंध ने निरंतर अभ्यास करते हुए अपने शानदार खेल प्रदर्शन से टीम में पहले स्थान पर अपनी जगह बनाई है।

ताप्ती सरोवर परिक्रमा मार्ग पर स्थित घने पेड़ों की छंटाई की मांग

मुलताई। ताप्ती सरोवर परिक्रमा मार्ग पर चारों ओर घने पेड़ों की डालियों की छंटनी करने की मांग तट रक्षक घनश्याम सोनी के द्वारा एसडीएम राजीव कहार से की गई है। एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि लंबे समय से पेड़ों की डालियों की छंटनी नही करने से जहां पेड़ों की पत्तियां सरोवर में गिर रही है वहीं पेड़ों पर बैठने वाले पंछियों के बीट भी सरोवर में समाहित हो रही है जिससे जल दूषित हो रहा है। सोनी ने मांग करते हुए कहा है कि परिक्रमा मार्ग से लगे मंदिरों के आसपास भी पेड़ों के घने होने से उनकी डालियां छांटना आवश्यक है ताकि भविष्य में कोई घटना नही हो सके। उन्होने बताया कि स्टेशन मार्ग की ओर सरोवर के किनारे पेड़ों के जड़ से उखडने की संभावना बनी हुई है ऐसी स्थिति में परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण कर गिरने वाले वृक्षों को उखाड़ दिया जाए साथ ही घने पेड़ों की डालियों की छंटनी की जाए जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े।

राजाभोज पवार प्रीमियर क्रिकेट लीग सीजन-2 का हुआ शुभारंभ

मुलताई। नगर के हाई स्कूल ग्राउंड पर रविवार को राजा भोज पवार प्रीमियर क्रिकेट लीग (सीजन-2) का भव्य शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट के पहले ही दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। लीग के पहले मुकाबले में शारदा हिवरा और पवार योद्धा की टीमें आमने-सामने रहीं। इस मुकाबले में पवार योद्धा ने शानदार खेल दिखाते हुए 5 विकेट से जीत दर्ज की। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अमन देशमुख को मैन ऑफ द मैच चुना गया। इसके बाद खेले गए दूसरे मुकाबले में पवार योद्धा और महाकाल-11 के बीच मुकाबला हुआ। इस मैच में भी पवार योद्धा ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की। इस मुकाबले में उमेश पवार को उनके बेहतरीन खेल के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। आयोजकों के अनुसार सोमवार को होने वाले मुकाबलों में ताप्ती नाइट राइडर मुलताई बनाम ब्लू टाइगर बाघोड़ा तथा छत्रीय वॉरियर्स हिवरा की टीमें मैदान में उतरेंगी। क्रिकेट प्रेमियों में आगामी मुकाबलों को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने शिप्रा के जल का आचमन कर दिया पवित्र जल का संदेश

शिप्रा का जल आचमन योग्य था, है और रहेगा: महेश पुजारी

उज्जैन ■ निसं

अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के तत्वाधान में मां क्षिप्रा का वैदिक मंत्रोच्चार से पूजन किया गया। पूजन पुजारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेश पुजारी के उपस्थिति में रामघाट क्षिप्रा तट पर संपन्न हुआ,राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि सनातन धर्म संस्कृति में पूरे देश के तीर्थ स्थलो और नदियों को पवित्र माना गया है कई दिनों से यह देखने में आ रहा है कि कुछ लोगों द्वारा तीर्थ स्थल की नदियों का जल अपवित्र, दूषित और आचमन योग्य नहीं बताया जा रहा है। जो अनुचित हैं यह सनातन धर्म के साथ पवित्र नदियों का अपमान हैं। जिसका सीधा असर आम श्रद्धालुओं पर पड़ता हैं। इसी तारतम्य में पुजारी महासंघ द्वारा क्षिप्रा नदी का वैदिक मंत्रोच्चार से भव्य अभिषेक पूजन किया गया और मां क्षिप्रा का जल उपस्थित तीर्थ पुरोहित, पुजारियों और ब्राह्मणों ने आचमन कर संदेश दिया कि क्षिप्रा नदी का जल पवित्र एवं शुद्ध है। यह शरीर के विकारों का नाश करता है जो लोग क्षिप्रा नदी के जल को दूषित बताते हैं वह सनातन धर्म संस्कृति को ठेस पहुंचा रहे हैं। पहले वह अपने मन के मैल को साफ करें फिर तीर्थों और नदियों की बात करे। पुजारी महासंघ देश के सनातन धर्मावलंबियों से भी अपील करता है कि देश की सभी पवित्र तीर्थ स्थलों पर जाकर स्नान, ध्यान, दान कर पवित्र नदियों के जल का आचमन करें। पुजारी महासंघ द्वारा प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री महोदय माननीय डॉ मोहन जी यादव को एक मांगपत्र सौंपा जाएगा जिसमें पुजारी महासंघ द्वारा तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर मौजूदा तीर्थ समस्याओं के निराकरण के उल्लेख सहित आम श्रद्धालुओं के हित में कार्ययोजना बनाई जाना चाहिए,

तीर्थ स्थल के तीर्थ पुरोहितों को सुविधा दी जावे ,जिस प्रकार पिछले सिंहस्थ में पुरोहितों, ब्राह्मणों को घाट पर मंदिरों पर आने जाने में सुविधा थी वह दी जावे, शाही स्नान के समय भी पुरोहितों के घाट नहीं हटाए गए थे ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए।

साथ ही शासन द्वारा क्षिप्रा तट रामघाट से त्रिवेणी तक 29 किलोमीटर का घाट निर्माण किया जा रहा है जो वर्तमान में प्रचलित कार्य है, निर्माणाधीन घाटों पर 13 अखाड़ों के स्नान लिए 13 अलग अलग स्थानों पर व्यवस्था करे,रामघाट पर शंकराचार्य जी के स्नान की व्यवस्था की जावे। पुजारी महासंघ द्वारा सभी अखाड़ों के संतों से निवेदन करता है कि प्रयागराज की दुर्घटना से सिख लेते हुए, उज्जैन में शाही स्नान के समय वैभव और सम्पन्नता का दिखावा नहीं करे, शांतिपूर्ण तरीके से स्नान करने जाए,जिससे किसी प्रकार की जनहानि,उपद्रव या दुर्घटना नहीं हो। इस अवसर पर पुजारी महासंघ राष्ट्रीय सचिव रुपेश मेहता,नगर अध्यक्ष मंगल पुजारी, उपाध्यक्ष राकेश जोशी तीर्थ पुरोहित, भागवताचार्य आशीष अग्निहोत्री, धनेश्वर धाम प्रमुख धनीराम तिवारी,राजू बैरागी महेंद्र सिंह बैंस, मोहित तिवारी किशन पांडे, आशीष अग्निहोत्री, आशीष ठक्कर ,राम शर्मा ,राहुल व्यास शैलेंद्र नागर, राहुल जोशी ,हिमांशु शर्मा ,चंद्रशेखर पाठक,आशीष शर्मा ,अजय दुबे ,शुभम शर्मा ,हरीश व्यास ,अरुण शर्मा आदि ब्राह्मण बंधु, तीर्थ पुरोहित एवं पुजारी संघ के सदस्य मौजूद रहे।

राजपूत समाज छात्रावास में आयोजन

रक्त दान शिविर एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर में 600 लोगों की जांच हुई

सैंधव(आस्टा), निप्र। शिविर का आयोजन सैंधव क्षत्रिय राजपूत युवा संगठन, शौर्य समिति आष्टा के तत्वावधान में हुआ रक्तदान सँग्रह जिला चिकित्सालय सीहोर के द्वारा किया गया ताकि जरूरतमंद लोगो को समय पर रक्त प्राप्त हो सके । इस शिविर में लगभग 120यूनिट रक्त इक्ट्ठा किया गया एवं लगभग 600 सामाजिक बन्धुओं की स्वास्थ्य जांच हुई ।समिति के संयोजक ने बताया कि लोगों द्वारा रक्त दान करने से दिल की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम माना जाता है। संगठन द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में वर्ष भर गतिविधि संचालित होती रहती हैं, रामनवमी के अवसर पर रामजन्मोत्सव , समाज के मेघावी विद्यार्थियों सहित शासकीय सेवा में चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान एवं सेवानिवृत्त सामाजिक लोगों का अभिनन्दन किया जाता हैं, साथ ही शौर्य समिति पिछले कई वर्षों से लगातार आष्टा क्षेत्र में शिक्षा स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक व सामाजिक क्षेत्र में लगातार काम कर रही है समिति का मुख्य उद्देश्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के आदर्श पर चलकर शोषित पीड़ित वंचित असहाय लोगों के लिए काम करना और सामाजिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना उसी क्रम में लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बनी रहे इसलिए स्वास्थ्य शिविर एवं रक्तदान का आयोजन किया गया रक्तदान शिविर शासकीय अस्पताल के बीएमओ श्री अमित माथुर,श्री संजय देव विश्वकर्मा (भोपाल हमीदिया अस्पताल) गायत्री देवी हॉस्पिटल, देवश्री हॉस्पिटल, अरस्तु डेंटल, आनन्दम नेत्रालय के सानिध्य एवं योग्य चिकित्सक के परामर्श में सम्पन्न हुआ साथ ही आष्टा अंचल के सम्मानीय पत्रकार गणों का स्वागत संगठन द्वारा किया गया

इस अवसर पर मान सिंह इलाही, हरपाल ठाकुर,जीवन सिंह शोभाखेड़ी, गजराज सिंह सचिव,जीवन सिंह अध्यापक,हरि सिंह चिकित्सक, धीरज सिंह आशीर्वाद,तेज सिंह खेरखेड़ी, लोकेंद्र भाटी, जितेन्द्र सिंह मुगली, पुष्पेंद्र ठाकुर,भूपेंद्र ठाकुर, जितेंद्र सिंह, गोलू सिंह, चेतन सिंह, हरेन्द्र ठाकुर, लोकेंद्र ठाकुर,राजेन्द्र सिंह ,हरेन्द्र सिंह, केशर सिंह, दौलत सिंह, नारायण सिंह, कमल सिंह, मेहरवान सिंह, हिम्मत सिंह, दिनेश सिंह, विजेंदर सिंह,यशवंत सिंह, नारायण सिंह ,योगेंद्र सिंह,दिनेश सिंह, मंगल सिंग सहित हजारों सामाजिक गण एवं मातृशक्ति उपस्थित रही।

जिला न्यायालय सहित सभी खंडपीठों पर नेशनल लोक अदालत आयोजित

डीएलएसए ने वर्ष 2025 की लोक अदालतों में कराया सर्वाधिक पारिवारिक मामलों में निराकरण

सीहोर, निप्र। जिला न्यायालय परिसर सहित जिले की सभी तहसील स्तरीय स्तरीय खंडपीठों पर वर्ष 2025 की अंतिम नेशनल लोक अदालत आयोजित की गई। जिला न्यायालय परिसर में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र आर्य ने नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। नेशनल लोक अदालत में 901 लंबित प्रकरणों का निराकरण हुआ है और वर्ष 2025 में आयोजित नेशनल लोक अदालतों में सर्वाधिक पारिवारिक प्रकरणों का निराकरण कर परिवारों को मिलाने का कार्य किया गया।

प्रधान जिला न्यायाधीश श्री आर्य ने कहा कि यह लोक अदालत पक्षकारों के लिए एक वरदान से कम नहीं है, क्योंकि इसमें पक्षकारों को हर प्रकार से जीत प्राप्त होती है। लोक अदालत की सबसे सुंदर बात है कि यहां कोई हारता नहीं है। उन्होंने सीहोर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को आई.एस.ओ. प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर कहा कि कार्यालय निरंतर गुणवत्तापूर्ण विधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है

तथा इसी तारतम्य में पक्षकारों को निरंतर गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं एवं विधिक सेवा का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु आई.एस.ओ. प्रमाणीकरण की प्रक्रिया की गई है एवं कार्यालय को प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने नेशनल लोक अदालत एवं आई.एस.ओ प्रमाणीकरण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश ने आई.एस.ओ. 9001 क्वालिटी मैनेजमेंट एवं आईएसओ 14001 पर्यावरण सम्बंधी मैनेजमेंट हेतु प्राप्त प्रमाण-पत्रों का अनावरण भी किया। न्यायोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति करने वाली एनआईएमएचआर के विद्यार्थीगण की टीम को प्रमाण-पत्र एवं शासकीय विधि महाविद्यालय सीहोर के लोक अदालत विजिट हेतु आए छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये। उन्होंने न्यायालय परिसर में बैंक, नगर पालिका, विद्युत मण्डल आदि के स्टॉलों का निरीक्षण किया, आमजन की समस्याओं को सुनकर त्वरित यथोचित निराकरण के निर्देश दिये। इस अवसर पर राजीनामा करने वाले पक्षकारों को फूल माला एवं पौधे प्रदाय कर प्रोत्साहित किया गया। 4158 प्रकरणों का निराकरण, समझौता राशि 11,79,57,212 रूपये हुई जमा: नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु गठित खण्डपीठों में नेशनल लोक अदालत मे आपसी समझौते के आधार पर निराकरण कराये जाने हेतु लंबित कुल 901 प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा के आधार पर किया गया और समझौता राशि 07 करोड़ 77 लाख 38 हजार 968 रूपये जमा कराई गई।

पिकनिक जा रही स्कूली बस नदी में गिरी

गंजबासौदा। जोहद के पास सगड़ नदी के रविवार सुबह 12 फीट ऊंचे पुल से एक स्कूली बस नीचे गिर गई। यह बस हायर सेकेंडरी स्कूल बहादुरपुर के स्टूडेंट्स और स्टाफ को सांची पिकनिक पर ले जा रही थी। हादसे में 28 बच्चे घायल हुए हैं। कुल 45 बच्चे स्कूल से रवाना हुए थे। जानकारी के मुताबिक, नदी का पुल संकरा है। सामने से आ रहे एक वाहन को रास्ता देने दौरान ड्राइवर ने बस को किनारे किया। इसी दौरान बस बेकाबू होकर सीधे नदी में जा गिरी।

घटना के बाद बच्चों की चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और नटेरन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने फौरन बस से बच्चों को बाहर निकालना शुरू किया। बच्चों की बस सुबह 8 बजे सांची के लिए निकली थी। हादसा बहादुरपुर से करीब 80 किलोमीटर दूर नटेरन थाना क्षेत्र में सुबह साढ़े 10 बजे हुआ।

सांसद खेल महोत्सव के अन्तर्गत शतरंज प्रतियोगिता सम्पन्न

खण्डवा ■ निसं

किशोर कुमार सभागृह में सांसद खेल महोत्सव के तहत शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ खंडवा विधायक श्रीमती कंचन तन्वे और कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने शतरंज की चाल चलकर किया।

प्रतियोगिता में कुल 96 बच्चों ने भाग लिया। कुल 6 राउंड में प्रतियोगिता संपन्न हुई।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रामीण क्षेत्र में छुपी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देने के उद्देश्य से सांसद खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन प्रारंभ कराया है। इस अवसर पर खंडवा विधानसभा खेल प्रभारी दिनेश पालीवाल, हरीश कोटवाले, जिला शतरंज संघ के पदाधिकारी राजेश बछानिया, सुनील शर्मा भी उपस्थित थे।

शतरंज प्रतियोगिता के परिणाम: शतरंज प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे।

प्रथम अक्षय सिंह तोमर
द्वितीय स्वरित राठौर
तृतीय रविंद्र थत्ते
चतुर्थ नित्यानंद मौर्य
पंचम अंकुर भट्ट।

मंत्री विजयवर्गीय की अध्यक्षता में हुई जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक

पीएम मित्र पार्क में होगा 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश

भोपाल ■ निसं

नगरीय विकास एवं आवास एवं धार जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि धार जिले में पीएम मित्र पार्क की स्थापना से प्रगति को नई रफ्तार मिलेगी। उन्होंने कहा कि करीब 2 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह प्रोजेक्ट 10 हजार करोड़ से अधिक के निवेश का साक्षी होगा। इससे 50 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और डेढ़ लाख से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। पीएम मित्र पार्क में धागा, कपड़ा, कताई-बुनाई, रंगाई, डिजाइन और वस्त्र निर्माण से जुड़ी हर आधुनिक सुविधा उपलब्ध होगी। प्रभारी मंत्री विजयवर्गीय शनिवार को धार में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में

विधायक श्रीमती नीना वर्मा भी मौजूद थीं।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि पिछले 2 वर्षों में जिले में धार्मिक, पर्यटन, औद्योगिक, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगरीय एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई हैं। जिला विकास सलाहकार समिति की चर्चा करते हुए प्रभारी मंत्री ने बताया कि समिति में सभी क्षेत्रों के विशेषज्ञों को स्थान दिया गया है। समिति जिले के तेजी से विकास में महत्वपूर्ण रोल अदा करेगी। बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में वर्ष 2024-25 में 122 सड़कों के नवीनीकरण से 362 किलोमीटर, वर्ष 2025-26 में 45 सड़कों के नवीनीकरण से 118 किलोमीटर मार्गों में सुधार हुआ है। जल जीवन मिशन में 3 लाख 3 हजार 690 घरों में नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना में 16 हजार 250 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेडा और समिति के सदस्यों ने जिले के विकास के संबंध में उपयोगी सुझाव दिये।

मंत्री इंदर सिंह परमार ने सरकार की उपलब्धियां गिनाई

तेंदूखेड़ा, निप्र। भाजपा सरकार की 2 साल पूरे होने पर जिला प्रशासन में प्रेसकॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जिसमें मध्य प्रदेश शासन के शिक्षा मंत्री एवं दामोंह के प्रभारी मंत्री इदर सिंह परमार ने सरकार की उपलब्धियां गिनाई वहीं पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का गोल-गोल जवाब देती है एक पत्र का साथी द्वारा दूसरे का सवाल पर मंत्री जी ने कहा कि अगर अगर नियम विरुद्ध हुआ होगा तो दोषियों पर कार्यवाही करेंगे सवाल यह था कि दमोह ग्रामीण यंत्र की सेवा संभाग में पदस्थ कार्यपालन यंत्री मनोज गुप्ता जो की मूल निवासी दमोह जिले के बजरिया वार्ड नंबर 6 के मूल निवासी हैं इनकी नियुक्ति कैसे कर दी गई इस संबंध में हमारे द्वारा कई बार समाचार प्रकाशित किया जा चुका है संबंध में पत्रकारो ने प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार को कार्यपालन यंत्री मनोज

गुप्ता का मूल निवास प्रमाण पत्र और उनके विभाग में हुए अनेकों भ्रष्टाचार से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराए लेकिन मंत्री जी ने केवल आश्वासन दिया यह तय नहीं है की कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यंत्रकी सेवा विभाग मनोज गुप्ता पर कार्यवाही कब होगी वहां पर मौजूद विधायक श्री जयंत कुमार मलैया विधायक श्रीमती उमा देवी खटीक भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे जिला कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर सहित भाजपा के कुछ कार्यकर्ता और जिले के समस्त पत्रकार साथी वहां पर प्रेस वार्ता में मौजूद थे जिस पर प्रभारी मंत्री इंद्रर सिंह परमार ने कहा कि नियुक्ति नियम विरुद्ध है कोई भी कर्मचारी अपने गृह जिले में किसी अधिकारी के पद पर नहीं रह सकता हमारे द्वारा अनेकों बार ग्रामीण यंत्र की सेवा विभाग में लगातार हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर खबरों काप्रकाशन किया गया लेकिन जिला प्रशासन ने एक भी खबर पर संज्ञान नहीं लिया तब जाकर प्रभारी मंत्री को संपूर्ण मामले से अवगत कराया गया कि ग्रामीण यंत्र की सेवा विभाग में भ्रष्टाचार किस तरह हाबी है एवं मंत्री इंदर सिंह परमार को यह भी बताया गया की जिला प्रशासन जिले के पत्रकारों के द्वारा जिन खबरों का प्रकाशन करता है उसको संज्ञान में नहीं लेता है अब देखना होगा खबर प्रशासन के बाद अपने गृह जिले में अधिकारी के पद पर पदस्थ मनोज गुप्ता कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यंत्र की सेवा विभाग पर कब कार्यवाही होती है।

अनमोल वचन

सपना वह नहीं होता जो आप नींद में देखते हैं, यह तो कुछ ऐसी चीज़ है जो आपको सोने नहीं देती है।
अब्दुल कलाम

अकर्मण्यता के जीवन से यशस्वी जीवन और यशस्वी मृत्यु श्रेष्ठ होती है।
चंद्रशेखर वेंकट रमण

सम्पादकीय

न्यायपालिका को बचाने न्यायमूर्ति नागरत्ना का ऐतिहासिक फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में जिस सख़्ती के साथ अपने ही संविधान पीठ के 2014 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज किया है, वह केवल एक याचिका की अस्वीकृति ही नहीं है, बल्कि न्यायिक व्यवस्था की गरिमा और स्थिरता की रक्षा के लिए स्पष्ट संदेश भी है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को राइट टू एजुकेशन एक्ट, 2009 से मिली छूट के खिलाफ जो रिट याचिका आई थी, उस पर अदालत का कड़ा रुख इस बात को रेखांकित करता है। याचिका खारिज करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने कहा, संविधान पीठ के निर्णयों को हल्के में लेने की प्रवृत्ति न्यायपालिका को कमजोर कर रही है। दरअसल न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के अंतिम और बाध्यकारी फैसलों को अनुच्छेद 32 के तहत चुनौती देना, न्यायिक व्यवस्था को समाप्त करने जैसा है। संविधान और न्यायिक अनुशासन दोनों का दुरुपयोग है। अदालत का कहना था, कि ऐसी याचिकाएं पूरे न्यायिक सिस्टम को 'चरमराने' का कारण बन जाएंगी। यह न्यायपालिका की संस्थागत चिंता एवं सुरक्षा को दर्शाता है। यही नहीं बल्कि खंडपीठ ने याचिकाकर्ता के ऊपर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर यह संकेत भी दिया है, कि न्यायिक प्रक्रिया को राजनीतिक या वैचारिक एजेंडे का हथियार नहीं बनने दिया जाएगा। यह मामला केवल कानूनी तकनीकी तक सीमित नहीं है, यह उस संवैधानिक संतुलन से जुड़ा है, जिसमें अनुच्छेद 21ए के तहत शिक्षा का अधिकार और अनुच्छेद 30 के तहत अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित व संचालित करने का अधिकार सह-अस्तित्व में प्राप्त है। 2014 की संविधान पीठ ने विस्तृत सुनवाई के बाद स्पष्ट किया था। अल्पसंख्यक संस्थानों पर आरटीई की बाध्यता उनके संवैधानिक अधिकारों पर अतिक्रमण होगा। संवैधानिक पीठ के उस निर्णय को 11 साल बाद पलटने की मांग करना न केवल न्यायिक प्रक्रिया की अनदेखी है, बल्कि संवैधानिक स्थिरता पर भी प्रश्नचिन्ह लगाती है। अदालत ने वकीलों की भूमिका को लेकर जो नाराजगी जाहिर की है वह काफी महत्वपूर्ण है। न्यायपालिका ने यह स्पष्ट किया है, कि कानून के जानकार होने के नाते अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। वह लोगों को गलत सलाह और दुर्भावनापूर्ण याचिकाएं दायर करने के लिए सलाह नहीं दें। इससे न केवल अदालत का समय नष्ट होता है, बल्कि आम नागरिकों के न्याय और न्यायपालिका के भरोसे को चोट पहुंचती हैं। आज जब लोकतांत्रिक संस्थाएं विभिन्न प्रकार से दबाव का सामना कर रही हैं, ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला न्यायपालिका की आत्मरक्षा तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायपालिका के अस्तित्व की रक्षा के लिए एक बेहतर उदाहरण के रूप में सामने आया है। यह निर्णय याद दिलाता है, संविधान पीठ के फैसले लोकतंत्र की रीढ़ की तरह हैं। इसे कमजोर करने की किसी भी कोशिश को सख़्ती से रोकने की पहल खंड पीठ ने की है। न्यायपालिका की मजबूती ही संविधान में प्राप्त नागरिकों के मूल अधिकारों की सबसे बड़ी गारंटी है। इस फैसले ने उसी मूल भावना की रक्षा की है। पिछले कुछ महीनो से सुप्रीम कोर्ट की विभिन्न अदालतों द्वारा दिए गए फैसलों को बदलवाने के लिए तरह-तरह से याचिकाएं दायर कर फैसला बदलवाने की जो कोशिश हो रही है, इसके बारे में न्यायमूर्ति बीवी नगरत्ना पहले भी अपनी नाराजी जाता चुकी हैं। लोगों का न्यायपालिका के ऊपर विश्वास रहेगा, सुप्रीम कोर्ट के जज जो फैसला देते हैं, उनका पालन सभी अधीनस्थ कोर्ट करते हैं। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट को अपने निर्णय को लेकर काफी सजग होने की जरूरत है। बड़ी बेंच द्वारा जो फैसले दिए गए हैं। उनका सम्मान सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और जिला जजों को करना होगा। यदि फैसला देते समय सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज इस बात का ध्यान नहीं रखेंगे, किसी भी दबाव में आकर या किसी विचारधारा के तहत, भाव में बहकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय में इस तरीके से परिवर्तन होंगे, तो यह न्यायपालिका को कमजोर करेगा। यह सभी को ध्यान रखना होगा। कानून का राज तभी तक होता है, जब तक जनता को उस पर विश्वास होता है। यदि यह विश्वास एक बार टूट जाएगा, तो फिर कानून का राज भी खत्म होते देर नहीं लगेगी। जनता खुद ही न्याय करने लगेगी। जनतंत्र में भीड़तंत्र का कानून लागू हो जाएगा। इस बात को अदालतों और सरकार को समझना होगा।

चिंतन-मनन

बाहरी विकार

एक व्यक्ति संन्यासी के पास पहुंचा और बोला, बाबाजी! मुझे परमात्मा से मिला दो। संन्यासी ने बात टालनी चाही। लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा। संन्यासी ने उसकी भावना परखने की दृष्टि से कहा, भगवान से मिलना है तो कल आना होगा। दूसरे दिन फिर यही उत्तर मिला। लेकिन वह निराश नहीं हुआ, निरन्तर आता रहा। संन्यासी ने देखा,इसे शब्दों से समझाना कठिन है। आखिर उसे एक युक्ति सूझी। कहा, परमात्मा से मिलने के लिए तो ऊपर चढ़ना होगा। उसने स्वीकृति दे दी। संन्यासी ने उसके सिर पर पांच बड़े-बड़े पत्थर रखे और पहाड़ की चढ़ाई पर चढ़ने के लिए कहा। दो चार कदम चला होगा कि उसकी सांस फूलने लगी और वह वहीं रूक गया। संन्यासी बोले, यहां बैठने से भगवान नहीं मिलेंगे। वह साहस बटोरकर चला, लेकिन असफल रहा। संन्यासी ने उसके सिर पर से एक पत्थर उतार दिया। वह कुछ दूर चला फिर रूक गया। चलते-चलते पांचों पत्थर नीचे गिरा दिए गए। वह पहाड़ की चोटी पर पहुंच गया। संन्यासी बोला- समझे या नहीं। उसने उत्तर दिया- मैं कुछ नहीं समझा। आप समझा दीजिए। संन्यासी- जब तक तुम्हारे सिर पर पत्थर थे, तुम चल नहीं सके और हल्के होकर चोटी तक पहुंच गए। इन बाहरी पत्थरों में भी इतनी शक्ति है तो हमारे भीतर काम, प्रोध, मद, लोभ और भय रूप जो पांच बड़े-बड़े पत्थर हैं, उनको उतारे बिना भगवान तक कैसे पहुंचोगे? इसलिए इन पाषाणों से हल्का बनने के लिए साधुओं का सान्निध्य पाना आवश्यक है।

नाभिकीय ऊर्जा मिशन को प्रोत्साहन

अनिल काकोडकर

स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच के अलावा, नाभिकीय ऊर्जा लंबे समय तक चलने वाली ऊर्जा और जलवायु सुरक्षा का भी वादा करती है। परमाणु ऊर्जा विभाग की लगातार और आत्मनिर्भर बनने कोशिशों की वजह से, भारत एक आत्मनिर्भर, जिम्मेदार देश के तौर पर उभरा है, जिसके पास प्रगत नाभिकीय प्रौद्योगिकी है, भले ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने हम पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हों।

विकासित भारत को साकार करने के लिए बड़े पैमाने पर नाभिकीय ऊर्जा का तेज़ी से इस्तेमाल ज़रूरी हो गया है। स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच के अलावा, नाभिकीय ऊर्जा लंबे समय तक चलने वाली ऊर्जा और जलवायु सुरक्षा का भी वादा करती है। परमाणु ऊर्जा विभाग की लगातार और आत्मनिर्भर बनने कोशिशों की वजह से, भारत एक आत्मनिर्भर, ज़िम्मेदार देश के तौर पर उभरा है, जिसके पास प्रगत नाभिकीय प्रौद्योगिकी है, भले ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने हम पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हों। देश अब नाभिकीय ऊर्जा मिशन के साल 2047 तक 100 तड्ढ बिजली बनाने की क्षमता तक पहुँचने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी के मामले में तैयार है। हालाँकि यह बहुत महत्वांकांक्षी लग सकता है, लेकिन हमारे पिछले ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, पॉलिसी की पहल और काम, खासकर कानूनी कदम जो अभिप्रेत हैं, उनसे चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। स्वच्छ ऊर्जा हासिल करने और जलवायु खतरे से निपटने के अलावा, नाभिकीय ऊर्जा मिशन में अर्थव्यवस्था को काफ़ी बढ़ावा देने की क्षमता है क्योंकि पूरी वैल्यू चेन देश के अंदर होगी। इससे मटीरियल, मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन, कमीशनिंग, ऑपरेशन और मेंटेनेंस, क्वालिटी एश्योरेंस, सेफ्टी और आस-पड़ोस के लोगों से जुड़ाव जैसी सभी गतिविधियों में सभी स्तर पर नौकरियाँ पैदा होंगी। प्रशिक्षित और योग्य मानव संसाधन के मामले में भी चुनौतियां हैं। हालांकि हम इन सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं, लेकिन प्रोग्राम की निरंतरता पर उद्योग का भरोसा एक अनिवार्य शर्त होगी।

आगे क्या चुनौतियां हैं? उनमें से सबसे ज़रूरी है समय लक्ष्य के हिसाब से बड़े पैमाने पर तेज़ी से परिनियोजन करना। सिर्फ़ दो दशकों में 90 तड्ढ से ज़्यादा या लगभग 200 रिएक्टर जोड़े जाने हैं। स्पष्ट है कि ह्ररूद्बरु ह्रञ्जक्ष्ट और क्चॉॠड्ढङ्घड्ढ के अलावा कई इम्प्लीमेंटिंग एजेंसियों की ज़रूरत है, जो फ्लीट मोड में रिएक्टर प्लांट के मानक डिज़ाइन वाली परियोजना शुरू करें। हालांकि हमें अपनी राष्ट्रीय नाभिकीय ऊर्जा नीति के आधार पर प्रौद्योगिकी के साथ प्रोग्राम को परिनियोजित करना चाहिए । क्क॥ङ्खक्र प्रौद्योगिकी स्पष्ट रूप से एक सिद्ध और किफायती प्रतिस्पर्धी स्वदेशी प्रौद्योगिकी है जो तेज़ी से आगे बढ़ने के लिए तैयार है। इसलिए ह्ररूद्बरु को अपने प्रोग्राम को कार्यान्वित करते समय क्क॥ङ्खक्र प्रौद्योगिकी में दूसरी प्राधिकरणों को रचनात्मक रूप अपने से जोड़ते हुए उनका मार्गदर्शन करना चाहिए। दूसरी परिपक्व प्रौद्योगिकी को भी एक अतिरिक्त संभावना के तौर पर माना जा सकता है, बशर्ते वे किफायती और संरक्षा मानकों को पूरा करें।

निवेश का भी एक ज़रूरी मुद्दा है, जो अकेले नाभिकीय ऊर्जा उपयोगिता क्षेत्र के लिए 20 लाख करोड़ के ऑर्डर का होगा। ईंधन चक्र अवसंरचना के लिए निवेश इसके अलावा होगा। इसलिए निजी क्षेत्र से वित्तपोषण बहुत ज़रूरी है। जबकि नाभिकीय क्षेत्र का आर्थिक पक्ष अच्छा है, दूसरी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी के बराबर नीति सहयोग अनिवार्य होगा।

निर्धारित क्षमता के लिए नाभिकीय ईंधन हासिल करना अगली बड़ी चुनौती है। जबकि वैश्विक यूरेनियम स्रोत काफ़ी हैं, नाभिकीय ऊर्जा विस्तार के कारण यूरेनियम की बढ़ती मांग और यूरेनियम आपूर्ति पर रुकावटों से अंतरिम आपूर्ति में कमी और मूल्य में वृद्धि होगी। नाभिकीय बाज़ार से जुड़ी जटिल भू-राजनीति को देखते हुए यह एक बड़ी ईंधन आपूर्ति सुरक्षा चुनौती बन सकती है। इसलिए अपने बड़े थोरियम भंडारों के साथ भारत को जल्द से जल्द थोरियम पर स्विच कर लेना चाहिए और ऊर्जा सुरक्षित बनना चाहिए। इसके लिए हमारे थोरियम आधारित नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी के विकास में तेज़ी लाने की ज़रूरत है। थोरियम का इस्तेमाल और यूरेनियम से बहुत ज़्यादा एनर्जी वैल्यू पाना, जो किसी भी तरह से आज के समय की ज़रूरत बन जाएगी, इसमें नाभिकीय ऊर्जा का पुनर्संसाधन और पुनर्चक्रण करना ज़रूरी होगा। इस तरह संवृत नाभिकीय ईंधन चक्र में हमारी काबिलियत एक सुरक्षित और अनवरत ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और भरोसेमंद दीर्घकालिक नाभिकीय अपशिष्ट प्रबंधन में काम आएगी। हालांकि, यह एक संवेदनशील व नाभिकीय प्रौद्योगिकी है और इसका शासन और नियंत्रण सरकार के पास ही रहना चाहिए। अमेरिका सहित ज़्यादातर देश इस्तेमाल किए गए नाभिकीय ईंधन के स्थाई निपटान का मुद्दा नहीं सुलझा पाए हैं। निजी नाभिकीय प्रतिष्ठान और सरकारी नाभिकीय पुनर्चक्रण ऊद्योग के बीच ईंधन प्रबंधन इंटरफेस को कानून में ठीक से शामिल करने की ज़रूरत है।

मुझे लगता है कि दुनिया भर में नाभिकीय ऊर्जा को ज़्यादा बढ़ावा देने के कारण, नाभिकीय पुनर्चक्रण पर ज़्यादा ज़ोर देना ज़रूरी होगा। इस तरह, फ्रंट एंड की तुलना में बैकएंड ईंधन चक्र, उतना ही बड़ा या उससे भी बड़ा उद्योग बन जाएगा। थोरियम, जो प्रसार प्रतिरोध उपलब्ध कराता है, इस मामले में और भी ज़्यादा ज़रूरी हो जाता है।

हमें यह मानना होगा कि हमारे क्क॥ङ्खक्र सिस्टम सबसे ज़्यादा लचीले हैं और कई तरह के ईंधन च्रक को सरल बनाने के लिए सबसे सही हैं, खासकर थोरियम की ओर हमारे संक्रमण की योजना के मामले में। जबकि थोरियम को विखडनीय यूरेनियम-233 में बड़े पैमाने पर बदलने के लिए द्रुत प्रजनक विकास को तेज़ करने की ज़रूरत है, अब जब हम आयातित यूरेनियम का इस्तेमाल करके बड़ी क्क॥ङ्खक्र क्षमता सेट अप कर सकते हैं, तो क्क॥ङ्खक्रह्य ऐसा करने और थोरियम के इस्तेमाल की दिशा में हमारी तरक्की को तेज़ करने का एक आसान विकल्प देते हैं। इस मकसद के लिए ज़रूरी विकास का काम परमाणु ऊर्जा विभाग में अनुसंधान एवं विकास पर मुख्यत: केंद्रित होना चाहिए, भले ही सरकारी और निजी क्षेत्र में नाभिकीय स्थापनाएं मानकीकृत और सिद्ध डिज़ाइन का इस्तेमाल करके तेज़ी से क्षमता बढ़ा रही हों।

हम आशा कर सकते हैं कि प्रस्तावित नाभिकीय विधेयक सभी हितधारकों की चिंताओं को दूर करेगा, जिसमें ऊपर बताए गए कुछ हितधारक भी शामिल हैं और नाभिकीय ऊर्जा मिशन को उम्मीद के मुताबिक लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगा।

(पूर्व सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं पूर्व अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग)

देश, काल की सीमाओं से परे हैं संगीत के शिखर पुरुष की लोकप्रियता

मुकेश तिवारी

दुनिया भर के संगीत साधकों ने यह सब प्रमाणित भी किया है, कि कालजयी संगीत सम्राट तानसेन भी संगीत दुनिया के ऐसे दैदीप्यमान साधक रहे हैं। जिनका नाम पॉच शताब्दियों से अनवरत रूप से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के शिखर पर प्रकाशमान है। यह अलग बात है कि 15वीं शताब्दी के विख्यात संगीतज्ञ तानसेन के बारे में जितने तथ्य हैं उससे कहीं ज्यादा किंवदंतियां ध्रुपद शैली के गायक और दीपक राग के विशेषज्ञ तानसेन के बारे में प्रचलित है, कि तानसेन का जन्म ग्वालियर जनपद के ग्राम बेहट में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था।

संगीत सम्राट तानसेन की कीर्ति का और छोर नहीं संगीत कुंभ तानसेन समारोह विश्व का ऐसा अनोखा संगीत समागम है, जो सत्ता और समाज के दशक दर दशक बदलते प्रतिमानों के बाबजूद आज भी अपने गरिमापूर्ण आयोजन के साथ संगीत तीर्थ ग्वालियर को पूर्णत: प्रदान कर रहा है, 101सालों के इस सफर में इस प्रतिष्ठित समारोह ने तवायफों के घुंघरूओं की झंकार से लेकर धुरंधर गान मनीषियों के आलाप तक कितने ही रंग देखें है,

संगीत की आयु कितनी होती है? कोई नहीं जानता, मगर संगीत साधना के बल पर अजर-अमर बना जा सकता है। दुनिया भर के संगीत साधकों ने यह सब प्रमाणित भी किया है, कि कालजयी संगीत सम्राट तानसेन भी संगीत दुनिया के ऐसे दैदीप्यमान साधक रहे हैं। जिनका नाम पॉच शताब्दियों से अनवरत रूप से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के शिखर पर प्रकाशमान है। यह अलग बात है कि 15वीं शताब्दी के विख्यात संगीतज्ञ तानसेन के बारे में जितने तथ्य हैं उससे कहीं ज्यादा किंवदंतियां ध्रुपद शैली के गायक और दीपक राग के विशेषज्ञ तानसेन के बारे में प्रचलित है, कि तानसेन का जन्म ग्वालियर जनपद के ग्राम बेहट में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम मकरंद पाण्डे और मां का नाम कमला था। तानसेन को बचपन में सब तन्ना, त्रिलोचन, तनसुख और रामतनु के नाम से पुकारते थे। जहां तक तानसेन के बचपन की घटनाओं का संबंध है, वह किंवदंतियों और जनश्रुतियों के जंजाल में काफी उलझी हुई है, उन्हें सुलझाना बड़े से बड़े इतिहासकारों के लिए भी कठिन हो रहा है,इस संबंध में असलियत सामने लाने के लिए अनुसंधान और शोध करने की आवश्यकता है। किंवदंती है कि, तानसेन जन्मजात गूंगे थे लेकिन बाल काल से ही संगीत के प्रति उनकी गहरी लगन थी। तन्ना पाण्डे अपने मवेशी को चराने के लिए प्रतिदिन झिलमिल नदी के किनारे ले जाते थे और फिर मवेशी को चरने के लिए छोड़कर वे पास के एक अति प्राचीन शिव मंदिर में शिव आराधना करने में मगन हो जाते थे।

इतिहास से जुड़े जानकार बताते हैं कि तन्ना की भक्ति भाव से भगवान शिव इतने खुश हुए, कि उन्होंने तन्ना को साक्षात दर्शन देकर आदेश पर दिया कि वह पूरी ताकत से तान छेड़े शिव शंकर के आदेश पर तन्ना ने जैसे ही अपनी तान छेड़ी तो तन्ना की तान का आवेग इतना तेज था कि शंकर जी की छोटी सी मढिंया तक ढेड़ी हो गई। स्वयं तन्ना भी इस चमत्कार से हक्के-बक्के रह गए। इतिहासकारों के मुताबिक तन्ना जैसे ही किशोरावस्था में आए तो वे संगीत की तालीम पाने के लिए गुरु की शरण में चले गए। गुरु ने जो सिखाया, प्रतिभाशाली तन्ना ने सीखा। उन्होंने पीर बाबा, मोहम्मद गौस से लेकर मथुरा के स्वामी हरिदास से संगीत के तमाम सारे गुर सीखे। तन्ना ने स्वामी हरिदास जी से संगीत की तालीम लेने के साथ ही पिंगल शास्त्र भी सीखा। उन्हें गौस साहब से गायन की तालीम ली,

बताया जाता है कि तन्ना तानसेन को भारतीय संगीत के साथ ईरानी संगीत विद्या में भी दक्षता हासिल थी । तानसेन के बारे में जन श्रुतियां और इतिहास से जो निष्कर्ष निकलता है। उसके अनुसार तानसेन को संगीत से जो शोहरत मिली, वह स्वामी हरिदास और सूफी फकीर गौस मोहम्मद की देन थी।

इतिहासकार गंगा सिंह भ्रमण, डॉ. हरिहर निवास द्विवेदी, डॉ. सरायू प्रसाद अग्रवाल एवं शिव सिंह सेंगर के शोध का भी यही निष्कर्ष है। हालांकि कुछ इतिहासकारों का मानना है कि संगीत की विधिवत तालीम के लिए तानसेन ने स्वामी हरिदास और गौस मोहम्मद से उच्च शिक्षा लेने के पश्चात राजा मानसिंह तोमर द्वारा संचालित संगीत विद्यालय में भी दाखिला लिया था। संगीत की साधना करते-करते तन्ना पाण्डे जब तन्ना, त्रिलोचन, तनसुख और रामतनु से तानसेन हो गए तो उन्हें ध्रुपद में सिद्धहस्त माना जाने लगा। तानसेन ने सर्वप्रथम शेरशाह सूरी के बेटे दौलत खान के यहां राजश्रय पाया और फिर बान्धवगढ़(रीवा) के राजा रामचंद्र के दरबारी गायक बने। बान्धवगढ़(रीवा)के दरबारी गायक रहते हुए उन्होंने अकूत दौलत, मान-सम्मान और ख्याति प्राप्त की। दिलचस्प बात है कि तानसेन उनका नाम नहीं था। वह उनकी उपाधि थी, जो उन्हें बान्धवगढ़ के महाराज रामचंद्र से प्राप्त हुई थी। यह उपाधि इतनी प्रसिद्ध हुई कि उसने उनके मूल नाम को छिपा दिया। मुगल सम्राट अकबर के पास जैसे ही उनके चमत्कारिक गायन की खबर पहुंची, तो उन्होंने उनको अपने दरबार में बुला लिया। मुग़ल सम्राट अकबर तानसेन की संगीत में हासिल महारत से इस कदर खुश हुए कि उन्होंने अपने दरबार के नवरत्नों में उन्हें प्रथम स्थान तक दे दिया। इस तरह से 1619-20 में तानसेन का अकबरी दरबार में प्रवेश हुआ अकबर के आश्रय में रहने से तानसेन की प्रसिद्ध समस्त देश में व्याप्त हो गई थी, उन्हें मुगल सम्राट से अपूर्व आदर और विपुल वैभव प्राप्त हुआ था,

उल्लेखनीय है कि तानसेन ने संगीत साधना के साथ ही संगीत शास्त्र पर आधारित तीन ग्रंथ संगीत सार, राग माला और गणेश स्त्रोत की रचना की थी,राग दरबारी कानडा, दरबारी आसावरी, मियां की तोड़ी मल्हार, दरबारी कल्याण, दरबारी तोड़ी, मियां की सारंग,का अविष्कार तानसेन द्वारा किया गया था,वहीं समय की मांग को देखते हुए उन्होंने ध्रुपद में चतुरंग और त्रिवट का गायन शुरू किया। उन्होंने अपनी संगीत की तपस्या को पूर्ण करने के लिए सितार से मिलती-जुलती वाद्य रबाव और रूद्रवीणा का भी आविष्कार किया।

पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों की चिन्ताजनक तस्वीर

ललित गर्ग

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात पर उठती चिंताएँ कोई नई बात नहीं हैं, पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों पर किस कदर अत्याचार हो रहे हैं और यह समस्या दिन-ब-दिन गहरी होती गयी है। लेकिन हाल ही के आधिकारिक आँकड़ों ने एक बार फिर इस सच्चाई को निर्मम रूप से सामने ला दिया है कि वहाँ रहने वाले हिंदू और सिख किस हद तक उत्पीड़न और भय के माहौल में जी रहे हैं। पाकिस्तान की संसदीय अल्पसंख्यक समिति ने स्वयं स्वीकार किया है कि वर्ष 1947 में वहाँ 1817 हिंदू मंदिर और गुरुद्वारे विद्यमान थे, लेकिन आज इनकी संख्या सिमटकर मात्र 37 रह गई है। यानी 1285 हिंदू मंदिर और 532 गुरुद्वारों का या तो अस्तित्व मिटा दिया गया, या उन पर जबरन कब्जा कर लिया गया, अथवा उन्हें जानबूझकर खंडहर में बदल दिया गया। यह आँकड़ा सिर्फ किसी धार्मिक स्थल का नहीं, बल्कि एक सभ्यता, एक संस्कृति और एक समुदाय के आत्मसम्मान व अस्तित्व की धीमी हत्या का प्रमाण है। यह पाक की अमानवीयता एवं संकीर्ण साम्प्रदायिक सोच का त्रासद सोच का प्रमाण है। आधुनिक संसार में किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसके आर्थिक विकास, सैन्य ताकत या राजनीतिक स्थिरता से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने नागरिकों-विशेष रूप से अल्पसंख्यकों को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी शर्त है, लेकिन पाक में यही बुनियाद डांवाडोल होती दिखाई देती है। मंदिरों और गुरुद्वारों को ध्वस्त करना, उन्हें खंडहर होने के लिए छोड़ देना, या बहुसंख्यकों द्वारा उन पर कब्जा कर लेना महज भौतिक आक्रमण नहीं, बल्कि भारतीय मूल के समुदायों की संस्कृति, उनकी स्मृतियों और उनकी पहचान पर गहरा प्रहार है। यह भारतीयों के प्रति और विशेषत: हिन्दुओं के प्रति पाक के विकृत एवं संकीर्ण दृष्टिकोण का द्योतक भी है। जब एक समुदाय अपने आराधना-स्थलों से वंचित किया जाता है, तो उसका सामाजिक मनोबल टूटता है, सुरक्षा-बोध क्षीण होता है और उनमें विस्थापन की भावना गहरी पैठ बना लेती है। यही कारण है कि पाकिस्तान बनने के समय वहाँ लगभग 15 प्रतिशत हिंदू-सिख आबादी थी, जो आज घटकर 1.6 प्रतिशत से भी कम रह गई है। जबकि भारत में मुस्लिमों की आबादी करीब 2 प्रतिशत से आज 23-24 प्रतिशत हो गयी है। धार्मिक कट्टरता और असहिष्णुता की इस प्रवृत्ति ने पाक को न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया है, बल्कि उसकी आंतरिक सामाजिक संरचना को भी खोखला कर दिया है। प्रश्न यह नहीं कि मंदिर गिराए गए या गुरुद्वारों पर कब्जा हुआ, बल्कि यह कि ऐसा करने की मानसिकता क्यों पनपती रही और राज्य की संस्थाएँ इस विनाश को रोकने में क्यों असमर्थ या अनिच्छुक बनी रहीं? जिस समय विश्व के अनेक मुस्लिम देश धर्मनिरपेक्षता और सांस्कृतिक सह-अस्तित्व की ओर बढ़ रहे हैं, पाकिस्तान लगातार अपने भीतर कट्टरता, कटुता और धार्मिक बहिष्कार की आग को पोषित करता रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में भव्य स्वामीनारायण मंदिर से लेकर सऊदी अरब में भारतीय कर्मचारियों के लिए पूजा स्थल की व्यवस्था तक-यह उदाहरण बताते हैं कि इस्लामिक देशों में भी आधुनिकता और धार्मिक सहिष्णुता का समन्वय संभव है। ओमान, बहरीन, कुवैत, कतर और इंडोनेशिया जैसे देशों में मंदिरों और अन्य अल्पसंख्यक धार्मिक स्थलों का संरक्षण न केवल वहाँ के उदार वातावरण को दर्शाता है, बल्कि यह भी कि वे समझते हैं कि विविधता ही प्रगति का असली आधार है। इंडोनेशिया में सैकड़ों हिंदू-बौद्ध मंदिर संरक्षित हैं। यही कारण है कि हिंदू प्रोफेशनल्स और भारतीय पर्यटक इन देशों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। इसके ठीक विपरीत पाकिस्तान की उल्टी सोच ने उसे बर्बाद कर दिया है। इसके उलट पाकिस्तान की सोच न केवल प्रतिगामी है, बल्कि आत्मविनाश की ओर ले जाने वाली भी है। धार्मिक स्थलों का विनाश केवल अतीत का मामला नहीं; आज भी कई स्थानों पर हिंदू और सिख परिवार सामाजिक दबाव, जबरन धर्मांतरण, अपहरण और उत्पीड़न जैसी समस्याओं से जूझते रहते हैं।

खास बात

शेयर बाजार की गिरावट से सहमा बाजार

शेयर बाजार की उठा पटक के बीच निवेशकों के हाल बेहाल है। शेयर बाजार में पिछले चार दिनों में लगभग 15 लाख करोड रुपए से ज्यादा का नुकसान निवेशकों को हो गया है। विदेशी निवेशक धड़ाधड़ पैसे निकालकर भाग रहे हैं।भारतीय करोड़पति भी देश छोड़कर भाग रहे हैं। इस भगदड़ में क्या होगा, इसको लेकर वित्तीय संस्थानों और कारोबारियों के माथे पर पसीना आ गया है। रही सही कसर डॉलर के मुकाबले रुपया पूरी कर रहा है।आगे भगवान ही मालिक है। सरकार चुनाव में व्यस्त है।

हर कोई सपनों में जी रहा है?

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी लोगों को बड़े-बड़े सपने दिखाए हैं। पिछले 12 वर्षों से लोग सपनों पर जी रहे हैं। सपने हमेशा सुखद एहसास कराते हैं। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेता सपने दिखाने वाले हों। ऐसी स्थिति में सपने से बाहर आकर वास्तविक स्थिति में आना असंभव ही होता है। देश की अर्थ व्यवस्था को लेकर सरकार से लेकर आम जनता, सभी सपने देख रहे हैं। सारी दुनिया में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा है। इसके बाद भी सरकार और वित्त मंत्री निश्चिंत हैं। इसी को कहते हैं आंख बंद होने पर सपने ही देखे जा सकते हैं। भारत का रिजर्व बैंक, शेयर बाजार और वित्त मंत्री सभी आंख बंद करके सपने देख रहे हैं।

राहुल का अमित शाह को खुला चैलेंज

लोकसभा में चुनाव सुधार को लेकर बहस हो रही थी। अमित शाह जब जवाब दे रहे थे। तब राहुल गांधी ने कहा, पहले उन्होंने जो चार प्रश्न उठाए हैं। उसके जवाब दें। इस पर अमित शाह उत्तेजित हो गए। सदन के अंदर जिस तरह की भाषा का उपयोग उन्होंने किया। उसके बाद राहुल गांधी भी उत्तेजित हो गए।उन्होंने अमित शाह को खुला चैलेंज दे दिया। राहुल गांधी ने कहा मेने जो तीन पत्रकार वार्ता, वोट चोरी की हैं। अमित शाह सामने आकर मेरे साथ बहस कर लें। इस चुनौती को अमित शाह ने स्वीकार नहीं किया। इस चैलेंज को लेकर भारत में तरह-तरह की चर्चा होने लगी है। सरकार सबसे आखरी में जवाब देती है। वह जवाब नहीं देती है जो प्रश्न सदन में पूछे जाते हैं। इसको लेकर राहुल गांधी ने इस बार अमित शाह को सीधा चैलेंज दे दिया।

संघ की विचारधारा वाले वाइस चांसलर?

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन के अंदर आरोप लगाया था ।संघ की विचारधारा के लोगों को वाइस चांसलर बनाया जा रहा है। सारी शिक्षा व्यवस्था को ठप्प कर दिया गया है। कोई नियम कानून का पालन नहीं किया जा रहा है। गलत तरीके से नियुक्तियां की जा रही हैं। इस पर अमित शाह ने कांग्रेस के ऊपर निशान साधा। उन्होंने कहा सारे वॉइस चांसलरों को नियम के अनुसार ही नियुक्त किये जा रहे हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत रितु गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पूर्वे तिथी, एकादशी, सोमवासरे, चित्रा नक्षत्रे, शोभन योगे, ववकरणे, तुला की चंद्रमा, सफलता एकादशी व्रत, रोगी स्नान मुर्हूत तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक, प्रशासक, स्वामी तथा जिद्दी, हठी, कमीशन एजेंट, बैंक कर्मचारी, तथा वैसशियर लिपिक उद्योगपति, उद्योग का मैनेजर, एमबीए, एमसी करने वाला, बैंक मैनेजर तथा स्वाभिमान, सेल टेक्स, इनकम टेक्स, आफीसर तथा इन्सपेक्टर होगा।

मेष राशि- समय विफल हो, कार्य गति में बाधा चिन्ताग्रस्त होवे, व्यर्थ भ्रमण तथा कार्य अवरोध होगा।

वृष राशि- इष्ट मित्रों से सुख, अधिकारियों से मेल मिलाप होवे तथा रुके कार्य अवश्य ही बन जाएगे।

मिथुन राशि- भाग्य का सितारा प्राप्त हो, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे, समय का उपयोग अवश्य करें।

कर्क राशि- भाग्य का सितारा प्रबल है, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे, समय समस्याओं से घिरा है।

सिंह राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक हो, कुटुम्ब की समस्याएं सुलझे तथा स्त्रीवर्ग से हर्ष अवश्य होगा।

कन्या राशि- भावनाएं संवेदनशील रहे, कुटुम्ब में सुख तथा धन प्राप्त के साधन अवश्य बनेंगे।

तुला राशि- समय अनुकूल नहीं, स्वास्थ्य नरम रहे तथा किसी धारणा का अनदेख अपराध होगा।

वृश्चिक राशि- स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक उद्विघ्नता, हानिप्रद होगी, समय का ध्यान रखें।

धनु राशि- आशानुकूल सफलता, स्थिति में सुधार, व्यवसाय गति उत्तम अवश्य ही बनेगी।

मकर राशि- व्यर्थ धन का व्यय, मानसिक उद्विघ्नता हानिप्रद होगी, समय का ध्यान रखे।

कुंभ राशि- इष्ट मित्र सहयोगी, कार्य बनेंगे तथा कार्य गति अनुकूल होगी, अनुकूलता का लाभ लें।

मीन राशि- भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य बन जाएंगे, रुके कार्यों पर ध्यान दें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

15 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	06.42 बजे से
चंद्र	तुला में	मकर	08.47 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.33 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.06 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	13.37 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.17 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.15 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.28 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	21.44 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	कन्या	23.56 बजे से
		तुला	02.07 बजे से
		वृश्चिक	04.22 ब.से

सोमवार 2025 वर्ष का 349 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष)
पक्ष कृष्ण
तिथि एकादशी 21.21 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 11.09 बजे को समाप्त।
योग शोभन 12.30 बजे को समाप्त।
करण बव 08.04 बजे तदनन्तर बालव 21.21 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 16'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872559
जूलियन दिन 2461024.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 23
विशेष सफला एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

साक्षात्कार में भ्रामक जवाब न दें

सिविल सेवाओं की परीक्षाओं में साक्षात्कार बेहद कठिन माना जाता है और इसकी तैयारी करते समय पूरी तरह गंभीर होना जरुरी है। साक्षात्कार द्वारा प्रतियोगी की आवेदित पद हेतु क्षमता का सही-सही आकलन किया जाता है। यह आकलन संबंधित विषयों के विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, इसलिए प्रत्याशियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सतही ज्ञान के बल पर भ्रामक उत्तर न दें। बेहतर तो यही होगा कि राज्य सेवा के अंतर्गत उपलब्ध पदों के लिए आवेदन करते समय ही उन पदों की प्रकृति तथा आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त कर उसकी पूर्ति हेतु सभी संभावित क्षेत्रों का ज्ञान अर्जित करें।

अकसर देखा गया है कि साक्षात्कार के दौरान प्रत्याशी से पहला सवाल यही किया जाता है कि उसने सिविल सेवा का क्षेत्र ही क्यों चुना या आवेदित पद के लिए ही वह क्यों आवेदन कर रहा है।

प्रत्याशियों के पास इसका सौद्देश्यपूर्ण जवाब होना चाहिए। महज देशसेवा, समाजसेवा जैसे उत्तर पर्याप्त नहीं होते हैं। जब तक प्रत्याशियों को इस बात का ज्ञान न हो कि साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे जाएँगे या क्या किया जाएगा तब तक वे इसकी पूर्णरूपेण तैयारी भी नहीं कर पाएँगे। आमतौर पर सिविल सेवा परीक्षा का साक्षात्कार विश्वविद्यालयीन प्रायोगिक परीक्षाओं की मौखिक परीक्षाओं (वाइवा) जैसा नहीं होता है और न ही अन्य नौकरियों के लिए लिए जाने वाले साक्षात्कार की तरह प्रत्याशियों की खिंचाई वाला होता है।

इसके बोर्ड में बैठने वाले सभी सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ होने के साथ ही साक्षात्कार लेने के प्रति अत्यंत गंभीर होते हैं। वे प्रत्याशियों को परेशान कर उलझाने के स्वाभाविक तरीके से बातचीत के लहजे में साक्षात्कार लेते हैं। उनका उद्देश्य प्रत्याशियों

की प्रतिक्रया, व्यवहार, आत्वविश्वास, दृढ़ निश्चयता, सकारात्मकता, नकारात्मकता, अभिरुचि, निर्णय लेने की क्षमता, उसकी पृष्ठभूमि आदि का आकलन होता है। वे टालमटोल कर भ्रामक जवाब के बजाय ईमानदारीपूर्वक प्रत्याशियों द्वारा प्रश्न के उत्तर न जानने के जवाब को ज्यादा तरजीह देते हैं, क्योंकि उन्हें भी पता होता है कि कोई भी व्यक्ति सर्वज्ञाता नहीं होता है।

साक्षात्कार के दौरान उत्तर देते समय आत्मविश्वास तथा निश्चित दृष्टिकोण सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। यदि प्रश्न का विश्लेषण कर तर्कपूर्ण जवाब दिए जाएँ तो साक्षात्कार लेने वाला निश्चित ही प्रभावित होता है। हाँ, इसके लिए ज्यादा ज्ञान बघारने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आपके ज्ञान के प्रमाण स्वरूप मुख्य परीक्षा के प्राप्तांकों की सूची उनके पास पहले ही उपलब्ध होती है। साक्षात्कार में बड़बोलेपन की बजाय मितभाषी प्रत्याशी के चयन की संभावना ज्यादा होती है, क्योंकि वह साक्षात्कार हेतु निर्धारित 15-20 मिनट में साक्षात्कार लेने वालों के ज्यादा से ज्यादा प्रश्नों के जवाब देकर उन्हें संतुष्ट कर सकता है।

साक्षात्कार के समय केवल विषयगत ज्ञान की जानकारी नहीं ली जाती। अपने प्रदेश, उसके राजनीतिक, सामाजिक, भौगोलिक स्थिति की जानकारी ज्यादा से ज्यादा होनी चाहिए तथा समसामयिक विषयों की जानकारी के साथ-साथ समस्याओं के समाधान की भी जानकारी यथेष्ठ मानी जाती है। साक्षात्कार के लिए बौद्धिक ज्ञान जितना आवश्यक है, उतना ही व्यावहारिक ज्ञान भी जरूरी है, क्योंकि सिविल सेवा से जुड़े सभी पद लोकहित तथा जनसंपर्क के अंतर्गत आते हैं।

लिहाजा इन पदों के प्रत्याशियों से यह अपेक्षा की जाती है कि उनका दृष्टिकोण लोकहित तथा कल्याणकारी भावनाओं के अनुरूप हो। बुद्धिमत्ता, व्यवहार के अलावा प्रत्याशी के हावभाव, वेशभूषा तथा प्रतिक्रिया का भी साक्षात्कार में आकलन किया जाता है। आकर्षक व्यक्तित्व तथा सौम्य व्यवहार साक्षात्कार में सफलता की कुंजी माने जाते हैं।

सेब खाने के फायदे

खाली पेट सेब खाने से बाल लंबे, घने, सुनहरे और मजबूत होते हैं

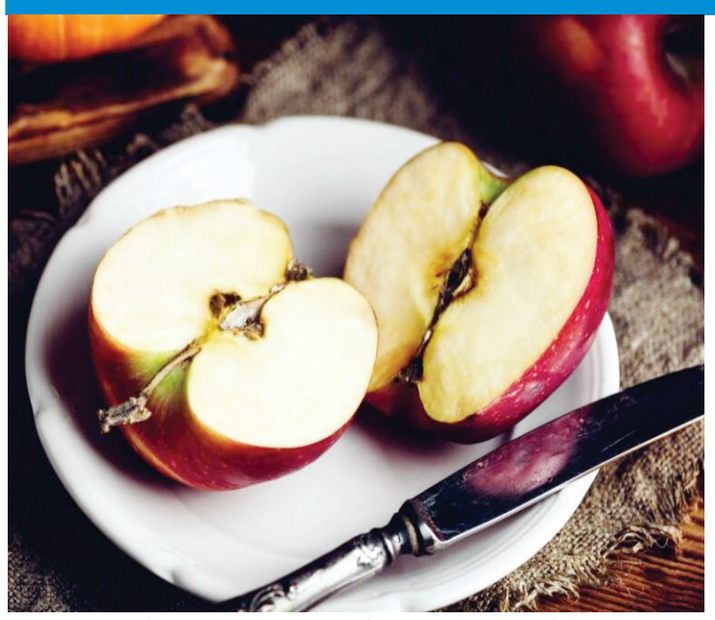

सेब लाल क्यों होता है?

सेब का छिलका लाल इसलिए होता है क्योंकि इसके छिलके में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। लाल सेब के छिलके में सर्वाधिक एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। रक्त संबंधी बीमारियों के लिए एंटीऑक्सीडेंट एक रामबाण इलाज है। एंटीऑक्सीडेंट के स्वास्थ्य लाभ को एप्पल खाने के फायदे में सम्मिलित किया जाता है। यही कारण है कि सेब को बिना छिले खाना चाहिए अन्यथा वह अपने पोषक तत्व खो देता है। एप्पल जूस और सिडार में पोषक तत्व सेब की तुलना में बहुत कम होते हैं। अत: छिलका सहित खाने से शरीर को सेब खाने के फायदे प्राप्त होते हैं।

सेब क्यों खाना चाहिए?

सेब इसलिए खाना चाहिए क्योंकि विटामिन, मिनरल तथा सभी प्रकार के उपयोगी पोषक तत्व हैं। इतने अधिक पोषक तत्व होने के कारण एप्पल खाने के फायदे भी भी बहुत हैं। यानी सेब इसलिए खाना चाहिए क्योंकि सेब खाने के फायदे एक नहीं अनेक हैं। सेब में कैलोरी भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो मानव शरीर के लिए वरदान है। इसके साथ ही सेब फाइबर युक्त फल है जो पेट संबंधी बीमारियों के लिए अच्छा होता है। सेब एक रस भरा फल है। इसमें पानी की मात्रा भी बहुत अधिक होती है। इसलिए सेब खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती। इस संसार में जितने भी फल है उन सभी फलों में सेब एक ऐसा फल है जो तथा जीवन रक्षक के रूप में जाना जाता है। सेब के छिलके में भारी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो क्षतिपूर्ण कोशिकाओं के पुन: विकास और वृद्धि में सहायक होता है। सेब में पोटेशियम होता है जो हृदय को अनेक स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है।

सेब रस से भरा एक मीठा फल है जो स्वादिष्ट भी है और पौष्टिक भी। नासे रोग हरे सब पीरा वाली पंक्ति सेब के लिए उपयुक्त है। एप्पल खाने के फायदे एक नहीं अनेक हैं। सेब खाने से लगभग सभी बीमारियां दूर हो जाती है। स्वस्थ हृदय और सही तरीके से होने वाला रक्तचाप सेब खाने के फायदे में शामिल किया जाता है। सेब में प्रमुख विटामिन, मिनरल तथा अनेक पोषक तत्व हैं जो शरीर के विकास के लिए तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही ये बीमारियों को शरीर में रोग को स्थान ग्रहण करने नहीं देते।

वजन घटाने का सबसे अच्छा तरीका : एक सेब में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है जो वजन घटाने में बहुत मदद करता है। केवल एक सेब खाने से शरीर को चार ग्राम फाइबर मिलता है जो आपकी दैनिक फाइबर पूर्ति के लिए पर्याप्त है। सेब खाने के फायदे में सबसे प्रमुख फायदा इस फल से मिलने वाला घुलनशील फाइबर है। सेब में ये फाइबर घुलनशील रूप में होता है जिसके अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं। सेब खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और इस कारण भूख नहीं लगती। खाली पेट सेब खाने के फायदे के अंतर्गत मोटापे से छुटकारा भी शामिल है। यानी खाली पेट सेब खाने से वजन कम होता है अपच करे छूमंतर : सेब खाने से अपच की समस्या का समाधान हो जाता है। सेब में मिलने वाला टार्टरिक एसिड पाचन तंत्र के लिए बहुत अच्छा होता है। खाना पचाने में टार्टरिक अम्ल का अहम योगदान होता है इसलिए सेब खाने से अपच की समस्या दूर होती है। अगर कोई आपसे पूछे कि एप्पल खाने के फायदा क्या है तो बता देना कि ये फल अपच की परेशानी दूर कर देता है।

कब्ज और दस्त करे दूर : सेब में पेक्टिन नामक पोषक तत्व दस्त से तुरंत राहत दिलाता है। कब्ज के मरीज को फाइबर युक्त आहार की जरूरत होती है जो सेब खाने से मिल जाता है। साथ ही सेब खाने से आंत को अच्छे बैक्टीरिया मिल जाते हैं जो पेट संबंधी समस्या को दूर कर देते हैं। खाली पेट सेब खाने के फायदे के अंतर्गत कब्ज और दस्त से छुटकारा भी शामिल है।

ब्लड शुगर करे नियंत्रित : सेब खाने से ब्लड शुगर होने का संकट टल जाता है इसलिए सेब खाने वालों को ब्लड शुगर होने का खतरा नहीं होता। ब्लड शुगर को कंट्रोल करना एप्पल खाने के फायदे में शामिल किया जाता है। सेब में उपस्थित घुलनशील फाइबर शरीर में ग्लूकोज के स्तर को सही रखता है और परिणामस्वरूप ब्लड शुगर कंट्रोल हो जाती है।

मधुमेह करे समाप्त : सेब खाने से मधुमेह होने का खतरा कम हो जाता है। डायबिटीज का इलाज एप्पल खाने के फायदे में छिपा हुआ है। सेब खाने से ब्लड शुगर नियंत्रित हो जाता है जिस कारण टाइप 2 डायबिटीज होने की संभावना भी कम हो जाती है। सेब में मिलने वाला फाइबर ग्लूकोज के स्तर को सदैव सामान्य रखता है जिस कारण ब्लड शुगर कंट्रोल हो जाती है।

हड्डियों को बनाए मजबूत : सेब खाने से हड्डियां चट्टान सरीके मजबूत होती हैं। सेब में कैल्शियम और बोरॉन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है। इससे न केवल हड्डियों को ताकत मिलती है अपितु हड्डी संबंधित रोग जैसे ऑस्टियोपोरोसिस से भी मुक्ति मिलती है। अर्थात सेब खाने के फायदे में दो प्रमुख फायदे ये हैं कि सेब खाने से ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी ठीक हो जाती है और हड्डियां भी चट्टान की तरह मजबूत हो जाती है। खाली पेट सेब खाने के फायदे के अंतर्गत हड्डियों की मजबूती भी शामिल है। यानी खाली पेट सेब खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं।

दांत रहे सुरक्षित : सेब खाने से केवल हड्डियां ही मजबूत नहीं होती अपितु दांतों को भी शक्ति और सुरक्षा मिलती है। सेब में मिलने वाला पोषक तत्व बोरॉन दांतों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। सेब में पानी की मात्रा बहुत अधिक होती है। यही कारण है कि सेब खाने से मुंह में लार बनती है। लार बनने से मुंह की सफाई हो जाती है। साथ ही मसूड़े भी स्वस्थ रहते हैं। सेब खाने के फायदे में मजबूत और साफ़ दांत भी शामिल है।

एनीमिया करे ठीक : सेब खाने से एनीमिया होने का खतरा कम हो जाता है। दरअसल सेब में आयरन पाया जाता है जो शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को सामान्य रखता है। हीमोग्लोबिन का लेवल ठीक रहने से खून की कमी नहीं होती अर्थात एनीमिया की बीमारी ठीक हो जाती है। खाली पेट सेब खाने के फायदे के एनीमिया का इलाज भी शामिल है। यानी खाली पेट सेब खाने से एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी से मुक्ति मिल जाती है। सेब खाने के फायदे में एनीमिया से मुक्ति भी शामिल है।

खाली पेट सेब खाने के फायदे

देखने में लाल और स्वाद में मीठे सेब के अनेक फायदे हैं। सेब हमारी सेहत के बहुत अच्छा है। सेब खाने से साड़ी बीमारियां दूर हो जाती हैं। सेब में विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व होते हैं जो मानव शरीर को सेहतमंद बनाते हैं तथा अनेकों बीमारियों से लड़ने की शक्ति भी प्रदान करते हैं। आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फाइबर जैसे तत्वों से भरपूर सेब आपकी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही पेट, दांत और मसूड़ों को भी साफ रखता है। अगर हम अपने आहार में प्रतिदिन एक सेब शामिल करें तो बीमारियां हमसे कोसों दूर रहेंगी। शर्त केवल यह है कि सुबह खाली पेट इसका सेवन करना है।

आइए क्रमानुसार जानें कि खाली पेट सेब खाने के फायदे क्या हैं :

खाली पेट सेब खाने से मोटापा कम होता है।
खाली पेट सेब खाने से कब्ज और दस्त ठीक होता है।
खाली पेट सेब खाने से एनीमिया से मुक्ति मिलती है।
खाली पेट सेब खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं।
खाली पेट सेब खाने से पाचन तंत्र भी सही रहता है।
खाली पेट सेब खाने से हृदय संबंधी रोग से छुटकारा मिलता है।
खाली पेट सेब खाने से नाखून भी मजबूत होते हैं।
खाली पेट सेब खाने से त्वचा की विकास शक्ति बढ़ती है।

सेब किसे खाना चाहिए: सेब खाने से सभी आवश्यक विटामिन और मिनरल मिल जाते हैं। इसलिए सेब को आहार में प्रतिदिन शामिल करना चाहिए। सेब शरीर को सेहतमंद और रोग मुक्त करने के लिए सबसे अच्छा फल है।

इन लोगों को सेब अवश्य खाना चाहिए : कब्ज और दस्त के मरीज को : इसमें फाइबर होता है जो आंत को अच्छे बैक्टीरिया प्रदान करता है। साथ ही फाइबर पाचन तंत्र को सही रखने में सहायक होता है। अपच की समस्या के लिए फाइबर युक्त सेब रामबाण इलाज है।

ब्लड प्रेशर के मरीज को : लाल सेब के छिलके में एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होता है जो रक्त के प्रवाह को बाधित होने से रोकता है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीज को सेब खाना चाहिए।

स्वस्थ दिमाग रखने के लिए दैनिक आदतें

प्राकृतिक स्वास्थ्य और पोषण संबंधी सुझाव जो प्रमाण-आधारित हैं

मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ शारीरिक तंदुरुस्ती बनाए रखना आपके शरीर पर लंबे समय तक चलने वाला प्रभाव डाल सकता है। डॉ. संदीप गोविल कहते हैं, एक प्रसिद्ध पुरानी कहावत है 'स्वस्थ शरीर स्वस्थ दिमाग बनाता है, इसलिए आहार और आप क्या खा रहे हैं, इस बारे में सोचना ज़रूरी है'। इतने सारे त्वरित भोजन उपलब्ध होने के कारण, जिन्हें खाना सुविधाजनक है, स्वस्थ खाद्य पदार्थों को छोड़ना आसान है। अपने ऊर्जा स्तर को बढ़ाने के लिए 'तीन भोजन योजना' पर टिके रहने की कोशिश करें ताकि आप पूरे दिन सक्रिय रहें। खुद को हाइड्रेटेड रखने और अपने मेटाबॉलिज्म को चालू रखने के लिए खूब पानी पिएं।

ध्यान रखें कि आप क्या पीते हैं: वैसे तो बहुत से लोग अपना मूड बदलने के लिए शराब और कैफीन पीते हैं, लेकिन उनका असर सिर्फ़ अस्थायी होता है। जब ऊर्जा या उत्साह की भावनाएँ कम हो जाती हैं, तो आप बहुत बुरा महसूस करेंगे, जिसका आपके मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। ज़्यादातर लोग शराब या कैफीन को सीमित मात्रा में पीना पसंद करते हैं, जो हमारे शरीर के लिए फ़ायदेमंद होता है। हालाँकि, कुछ लोग इन नकारात्मक भावनाओं की शुरुआत को टालने या घबराहट या अवसाद की अंतर्निहित भावनाओं से बचने के लिए शराब पीते रहते हैं। यह बहुत ख़तरनाक है और इससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं या मौजूदा स्थितियों को छिपाया जा सकता है। अगर आप पुरुष हैं तो दिन में चार यूनिट से ज़्यादा शराब न पिएँ और अगर आप महिला हैं तो तीन यूनिट से ज़्यादा शराब न पिएँ और रात को सात बजे के बाद कैफीन वाले पेय न पिएँ।

कुछ व्यायाम करना: हर दिन थोड़ा व्यायाम करने से कई लाभ होते हैं; मानसिक और शारीरिक दोनों। जब आप व्यायाम करते हैं, तो आपका शरीर एंडोर्फिन छोड़ता है जो आपके मूड को बहुत बेहतर बना सकता है। आपको व्यायाम करने के लिए बहुत ज़्यादा पैसे खर्च करने या जिम जॉइन करने की ज़रूरत नहीं है; अपने गंतव्य तक पैदल या साइकिल से जाना, संगीत सुनते हुए घर की सफ़ाई करना और बागवानी करना, ये सभी रक्त को पंप करने के आसान तरीके हैं। कुछ समय बाद आपको काम करना आसान लगने लगेगा और आप बेहतर दिखने लगेंगे, जिससे आप अपने बारे में बेहतर महसूस करेंगे।

दूसरों से बात करना: आज की दुनिया में दोस्तों और परिवार के साथ संपर्क बनाए रखना पहले से कहीं ज़्यादा आसान है। दूसरे लोगों से जुड़ाव महसूस करना हमारे इंसान बनने का एक अहम हिस्सा है और जीवन के इस हिस्से की अनदेखी करने से आपके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। कई मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ संचार में परेशानी है और दूसरों के साथ संपर्क बनाए रखने और मज़बूत रिश्ते बनाए रखने से इनसे निपटा जा सकता है या इन्हें रोका भी जा सकता है। अगर आपको मुश्किलें आ रही हैं तो सबसे अच्छी मदद दोस्त या परिवार के लोग दे सकते हैं, इसलिए उनसे बात करें कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं और उनके विचारों और भावनाओं को भी सुनें।

यदि आप अपने स्वास्थ्य और खुशहाली को बढ़ाना चाहते हैं, तो आपके पास चुनने के लिए बहुत सारे प्राकृतिक और घरेलू उपचार हैं, जिनमें जले हुए मांस और अतिरिक्त चीनी से परहेज करने से लेकर ध्यान का अभ्यास करना शामिल है।

जब यह जानने की बात आती है कि क्या स्वस्थ है, तो अक्सर योग्य विशेषज्ञ भी विपरीत राय रखते हैं। इससे यह समझना मुश्किल हो सकता है कि आपको अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए वास्तव में क्या करना चाहिए।

फिर भी, तमाम असहमतियों के बावजूद, अनेक स्वास्थ्य संबंधी सुझाव शोध द्वारा समर्थित हैं।

यहां 27 स्वास्थ्य और पोषण संबंधी सुझाव दिए गए हैं जो वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित हैं।

गुड़ले फेंगोल्ड/स्टॉक्सी यूनाइटेड

1. शर्करा युक्त पेय पदार्थों का सेवन सीमित करें

सोडा, फलों के रस और मीठी चाय जैसे मीठे पेय अमेरिकी आहार में अतिरिक्त चीनी का प्राथमिक स्रोत हैं (1).

दुर्भाग्यवश, कई अध्ययनों से पता चला है कि चीनी-मीठे पेय पदार्थों से हृदय रोग और टाइप 2 मधुमेह का खतरा बढ़ जाता है, यहां तक ??कि उन लोगों में भी जिनके शरीर में अतिरिक्त वसा नहीं है (2).

चीनी-मीठे पेय पदार्थ बच्चों के लिए भी विशेष रूप से हानिकारक हैं, क्योंकि वे न केवल बच्चों में मोटापे को बढ़ावा देते हैं, बल्कि उन बीमारियों को भी जन्म देते हैं जो आमतौर पर वयस्क होने तक विकसित नहीं होती हैं, जैसे टाइप 2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप और गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग (3 ,4 ,5).

स्वास्थ्यप्रद विकल्पों में शामिल हैं: पानी बिना चीनी वाली चाय सोडा कॉफी

2. मेवे और बीज खाएं: कुछ लोग मेवे खाने से परहेज करते हैं क्योंकि उनमें वसा की मात्रा ज़्यादा होती है । हालाँकि, मेवे और बीज अविश्वसनीय रूप से पौष्टिक होते हैं। इनमें प्रोटीन, फाइबर और कई तरह के विटामिन और खनिज होते हैं।6 ,7).

नट्स आपको वजन कम करने और टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग के विकास के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं (8).

इसके अतिरिक्त, एक बड़े अवलोकन अध्ययन में पाया गया कि मेवों और बीजों का कम सेवन हृदय रोग, स्ट्रोक या टाइप 2 मधुमेह से मृत्यु के जोखिम को बढ़ाने से जुड़ा हुआ है।9).

3. अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से बचें: अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ (यूपीएफ) ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं जिनमें ऐसे तत्व होते हैं जो अपने मूल रूप से काफ़ी हद तक बदल जाते हैं। इनमें अक्सर अतिरिक्त चीनी, अत्यधिक परिष्कृत तेल, नमक, संरक्षक, कृत्रिम मिठास, रंग और स्वाद जैसे योजक भी होते हैं।10).

उदाहरणों में शामिल हैं: स्नैक केक फास्ट फूड जमा हुआ भोजन पैकेज्ड कुकीज़ चिप्स: यूपीएफ बेहद स्वादिष्ट होते हैं, यानी इन्हें आसानी से ज़्यादा खाया जा सकता है, और ये मस्तिष्क में इनाम से जुड़े क्षेत्रों को सक्रिय करते हैं, जिससे अतिरिक्त कैलोरी की खपत और वज़न बढ़ सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से भरपूर आहार मोटापे, टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और अन्य पुरानी बीमारियों का कारण बन सकता है।11 , 12 , 13 , 14 , 15).

रिफाइंड तेल, अतिरिक्त चीनी और रिफाइंड अनाज जैसी घटिया सामग्री के अलावा , इनमें आमतौर पर फाइबर, प्रोटीन और सूक्ष्म पोषक तत्व भी कम होते हैं। इसलिए, ये ज़्यादातर खाली कैलोरी ही देते हैं।

4. कॉफी से न डरें: इस पर कुछ विवाद के बावजूद, कॉफी स्वास्थ्य लाभ से भरपूर है ।इसमें एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं, और कुछ अध्ययनों ने कॉफी के सेवन को दीर्घायु और टाइप 2 मधुमेह, पार्किंसंस और अल्जाइमर रोगों तथा कई अन्य बीमारियों के कम जोखिम से जोड़ा है।16 , 17 , 18 , 19). सबसे अधिक लाभकारी सेवन मात्रा प्रतिदिन 3-4 कप प्रतीत होती है, हालांकि गर्भवती लोगों को इसे सीमित करना चाहिए या पूरी तरह से इससे बचना चाहिए क्योंकि इसे कम वजन वाले जन्म से जोड़ा गया है (18).

हालाँकि, कॉफ़ी और किसी भी कैफीन-आधारित चीज़ का सेवन सीमित मात्रा में करना सबसे अच्छा है। अत्यधिक कैफीन का सेवन अनिद्रा और दिल की धड़कन जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से कॉफ़ी का आनंद लेने के लिए, प्रतिदिन 4 कप से कम कॉफ़ी पिएँ और मीठे क्रीमर जैसे उच्च-कैलोरी और उच्च-चीनी वाले पदार्थों से बचें।

5. वसायुक्त मछली खाएं: मछली उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन और स्वस्थ वसा का एक बेहतरीन स्रोत है। यह विशेष रूप से वसायुक्त मछलियों, जैसे सैल्मन , के लिए सच है , जो सूजन-रोधी ओमेगा-3 फैटी एसिड और कई अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।20 ,21).

अध्ययनों से पता चलता है कि जो लोग नियमित रूप से मछली खाते हैं , उनमें हृदय रोग, मनोभ्रंश और सूजन आंत्र रोग सहित कई बीमारियों का जोखिम कम होता है।22 , 23 , 24).

6. पर्याप्त नींद लें: पर्याप्त गुणवत्ता वाली नींद लेने के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। खराब नींद इंसुलिन प्रतिरोध को बढ़ा सकती है, आपकी भूख हार्मोन को बाधित कर सकती है, और आपके शारीरिक और मानसिक प्रदर्शन को कम कर सकती है (25 ,26 , 27 , 27ए).

इसके अलावा, खराब नींद वज़न बढ़ने और मोटापे के सबसे बड़े व्यक्तिगत जोखिम कारकों में से एक है। जो लोग पर्याप्त नींद नहीं लेते, वे अक्सर ऐसे खाद्य पदार्थ चुनते हैं जिनमें वसा, चीनी और कैलोरी की मात्रा ज़्यादा होती है, जिससे संभावित रूप से अनचाहा वज़न बढ़ जाता है (28 , 29).

7. अपने पेट के बैक्टीरिया को पोषण दें: आपकी आंत में मौजूद बैक्टीरिया, जिन्हें सामूहिक रूप से आंत माइक्रोबायोटा कहा जाता है , समग्र स्वास्थ्य के लिए अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण हैं। आंत के बैक्टीरिया में व्यवधान कुछ दीर्घकालिक बीमारियों से जुड़ा हुआ है, जिसमें मोटापा और पाचन संबंधी अनेक समस्याएं शामिल हैं (30 ,31).

आंत के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के कुछ अच्छे तरीकों में दही और सौकरकूट जैसे किण्वित खाद्य पदार्थ खाना, ज़रूरत पड़ने पर प्रोबायोटिक सप्लीमेंट लेना और भरपूर मात्रा में फाइबर खाना शामिल है। गौरतलब है कि फाइबर आपके आंत के बैक्टीरिया के लिए एक प्रीबायोटिक या भोजन स्रोत के रूप में काम करता है।32 ,33).

8. हाइड्रेटेड रहें: हाइड्रेशन स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण और अक्सर अनदेखा किया जाने वाला संकेतक है। हाइड्रेटेड रहने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि आपका शरीर बेहतर ढंग से काम कर रहा है और आपके रक्त की मात्रा पर्याप्त है (34).

पानी पीना हाइड्रेटेड रहने का सबसे अच्छा तरीका है, क्योंकि इसमें कैलोरी, चीनी और अन्य योजक पदार्थ नहीं होते। यद्यपि हर किसी को प्रतिदिन पानी की कोई निश्चित मात्रा की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी पर्याप्त मात्रा में पानी पीने का लक्ष्य रखें ताकि आपकी प्यास पर्याप्त रूप से बुझ सके (35).

9. बहुत अधिक जला हुआ मांस न खाएं: मांस आपके आहार का एक पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक हिस्सा हो सकता है। इसमें प्रोटीन की मात्रा बहुत अधिक होती है और यह पोषक तत्वों का एक समृद्ध स्रोत है।36).

हालाँकि, समस्याएँ तब होती हैं जब मांस जला दिया जाता है। इस जलने से हानिकारक यौगिक बन सकते हैं जो कुछ कैंसर के खतरे को बढ़ा सकते हैं (37).

जब आप मांस पकाएँ , तो कोशिश करें कि वह जले या झुलसे नहीं। इसके अलावा, लंच मीट और बेकन जैसे लाल और प्रसंस्कृत मांस का सेवन सीमित करें क्योंकि ये समग्र कैंसर और कोलन कैंसर के जोखिम से जुड़े हैं।

38 , 39 , 40 , 41).

10. सोने से पहले तेज रोशनी से बचें: जब आप शाम को चमकदार रोशनी के संपर्क में आते हैं - जिसमें नीली प्रकाश तरंगदैर्ध्य होती है - तो यह आपके नींद हार्मोन मेलाटोनिन के उत्पादन को बाधित कर सकता है (42).

नीली रोशनी के संपर्क को कम करने के कुछ तरीके हैं नीली रोशनी को रोकने वाले चश्मे पहनना - खासकर यदि आप लंबे समय तक कंप्यूटर या अन्य डिजिटल स्क्रीन का उपयोग करते हैं - और बिस्तर पर जाने से पहले 30 मिनट से एक घंटे तक डिजिटल स्क्रीन से दूर रहें (43). इससे शाम ढलते ही आपके शरीर को स्वाभाविक रूप से मेलाटोनिन का बेहतर उत्पादन करने में मदद मिलेगी , जिससे आपको बेहतर नींद आएगी।

11. यदि आपमें विटामिन डी की कमी है तो इसका सेवन करें

अधिकांश लोगों को पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिलता है। हालांकि विटामिन डी की ये व्यापक अपर्याप्तता तत्काल हानिकारक नहीं है, लेकिन पर्याप्त विटामिन डी के स्तर को बनाए रखने से हड्डियों की ताकत में सुधार, अवसाद के लक्षणों को कम करने, आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और कैंसर के जोखिम को कम करने के द्वारा आपके स्वास्थ्य को अनुकूलित करने में मदद मिल सकती है (44 , 45 , 46 , 47).

यदि आप सूर्य के प्रकाश में अधिक समय नहीं बिताते हैं, तो आपके विटामिन डी का स्तर कम हो सकता है।

यदि आपके पास विटामिन डी की उपलब्धता है, तो अपने स्तर की जांच करवाना अच्छा विचार है, ताकि यदि आवश्यक हो तो आप विटामिन डी अनुपूरण के माध्यम से अपने स्तर को ठीक कर सकें।

12. खूब सारे फल और सब्जियाँ खाएँ: सब्जियां और फल प्रीबायोटिक फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जिनमें से कई के स्वास्थ्य पर शक्तिशाली प्रभाव होते हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि जो लोग अधिक सब्जियां और फल खाते हैं वे लंबे समय तक जीवित रहते हैं और उनमें हृदय रोग, मोटापा और अन्य बीमारियों का खतरा कम होता है।48 , 49).

13. पर्याप्त प्रोटीन खाएं: पर्याप्त प्रोटीन खाना इष्टतम स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके शरीर को नई कोशिकाओं और ऊतकों के निर्माण के लिए आवश्यक कच्चा माल प्रदान करता है (50).

संक्षिप्त समाचार

भारत के लिए गिल की फॉर्म से ज्यादा चिंता का विषय सूर्या को लेकर : मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद कैफ ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्व कप

2026 से पहले भारतीय टीम के लिए शुभमन गिल की फॉर्म से ज्यादा चिंता का विषय सूर्यकुमार यादव को लेकर है। टी20 विश्व कप का 10वां संस्करण अगले साल 7 फरवरी से शुरू होगा और 8 मार्च को फाइनल खेला जाएगा। भारत और श्रीलंका इस टूर्नामेंट की संयुक्त मेजबानी कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट आठ स्थानों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर आयोजित होगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कैफ ने रविवार को एक्स पर लिखा, 'टी20 विश्व कप नजदीक होने के कारण, भारत के लिए गिल की फॉर्म से ज्यादा चिंता का विषय सूर्या की फॉर्म है। भारत के पास सलामी बल्लेबाज के कई विकल्प हैं, लेकिन एक तय कप्तान को बदला नहीं जा सकता।' दोनों बल्लेबाजों का इस साल टी20 में प्रदर्शन बहुत ही साधारण रहा है। सूर्यकुमार यादव ने इस साल एक भी अर्धशतकीय पारी नहीं खेली है। उनका बल्लेबाजी औसत और स्ट्राइक रेट भी खराब रहा है। भारतीय टी20 टीम कप्तान ने इस साल 19 मैचों में 201 रन बनाए हैं। इस दौरान अभी तक एक भी अर्धशतक नहीं बनाया है।

दीपक हुड्डा को शायद ही आईपीएल में खरीदार मिले

मुम्बई। अबू धाबी में 16 दिसंबर को होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की छोटी नीलामी में क्रिकेटर दीपक

हुड्डा को शायद ही कोई टीम खरीदे। इसका कारण है कि हुड्डा को भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने अभी तक संदिग्ध गेंदबाजी सूची में रखा है जिससे वह गेंदबाजी नहीं कर पायेंगे। बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजियों को हुड्डा के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के बारे में जानकारी दी है। घरेलू क्रिकेट में राजस्थान की ओर से खेलने वाले हुड्डा पिछले आईपीएल की तरह ही अभी भी संदिग्ध गेंदबाजों कीसूची में बरकरार हैं। बल्लेबाजी के साथ ही स्पिन गेंदबाजी करने वाले हुड्डा ने पिछले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर सेसात आईपीएल मैच खेले थे, लेकिन उनमें से किसी में भी गेंदबाजी नहीं की थी। इस क्रिकेटर ने रणजी ट्रॉफी में एक ओवर और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पांच ओवर किए हैं। अंतिम बार उन्हें आठ दिसंबर को झारखंड के खिलाफ गेंदबाजी करते देखा गया था। अगर उन्हें फिर से संदिग्ध एक्शन के लिए बुलाया जाता है, तो उन पर आईपीएल में गेंदबाजी करने पर प्रतिबंध लग सकता है। उन्होंने अहमदाबाद में उस मैच में तीन ओवर फेंके थे और 24 रन देकर तीन विकेट लिए थे।

अंडर-19 एशिया कप 2025

भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 90 रनों से पराजित किया

दुबई ■ एजेंसी

भारतीय अंडर-19 टीम ने रविवार को अंडर-19 एशिया कप के मुकाबले में पाकिस्तान की अंडर 19 टीम को 90 रनों से हरा दिया। भारत की इस टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है। टीम ग्रुप 'ए' में दो मैचों में दो जीत के साथ अंक तालिका में टॉप पर काबिज है।

दुबई के आईसीसी अकादमी मैदान में खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने आरोन जॉर्ज के 85 रन और कनिष्क चौहान के 46 रनों की पारी की बदौलत 46.1 ओवर में 240 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम 41.2 ओवर में 150 रन पर ढेर हो गई। पाकिस्तान के लिए हुजैफा एहसान ने सबसे ज्यादा 70 रन बनाए। भारत की ओर से दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान ने तीन-तीन विकेट लिए। बारिश की वजह से यह मैच 49-49 ओवर का खेला गया।

जवाब में 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम के बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से दबाव में रखा। भारतीय तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन ने पाकिस्तान को शुरुआत में ही तीन झटके दिए। उन्होंने समीर मिनहास (09), अली हसन बलोच (0) और अहमद हुसैन (04) को आउट किया। इसके बाद कनिष्क चौहान ने उस्मान खान को पवेलियन भेजा। उस्मान 16 रन बना सके।

पाकिस्तान का 77 के स्कोर पर पांचवां विकेट गिरा। कप्तान फरहान यूसुफ 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद हम्जा जहूर चार रन और अब्दुल सुभान छह रन बनाकर आउट हुए। पाकिस्तान के लिए अर्धशतक बनाकर खेल रहे हुजैफा एहसान 39वें ओवर में आउट हुए। एहसान ने 70 रन बनाए। पाकिस्तान का नौवां विकेट मोहम्मद सैयाम के रूप में गिरा। सैयाम ने दो रन बनाए। पाकिस्तान का आखिरी विकेट अली रजा का गिरा। रजा ने 6 रन बनाए।

भारतीय टीम की ओर से दीपेश देवेन्द्रन और कनिष्क चौहान ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि किशन कुमार सिंह ने दो विकेट, वैभव सूर्यवंशी और खिलन पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

इससे पहले भारतीय टीम की पारी 46.1 ओवर में 240 रन पर सिमट गई थी। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आयुष म्हात्रे ने कुछ बड़े शॉट्स लगाए और टीम के स्कोर को 78 रन तक ले गए। वह 25 गेंद पर 04 चौके और 03 छक्कों की मदद से 38 रन की पारी खेलकर आउट हुए। विहान मल्होत्रा 12 रन और वेदांत त्रिवेदी सात रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद एरॉन जॉर्ज ने विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने मिलकर 50 रन से ज्यादा की साझेदारी की। कुंडू 22 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे छोर से जॉर्ज ने अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 88 गेंदों में 12 चौके और एक छक्के की मदद से 85 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद खिलन पटेल छह रन बनाकर आउट हुए। कनिष्क चौहान ने दो चौके और तीन छक्के की मदद से 46 रन की पारी खेली। हेनिल पटेल 12 रन और दीपेश देवेंद्रन एक रन बनाकर आउट हुए।

पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद सैयाम और अब्दुल शुभान ने तीन-तीन विकेट लिए। निकब शफीक को दो विकेट मिले। अहमद हुसैन और अली रजा ने एक-एक विकेट लिया।

एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में नीदरलैंड्स ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता

सैंटियागो ■ एजेंसी

नीदरलैंड्स ने एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप जीत लिया है। उसने खिताबी मुकाबले में अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर तीसरी बार ये खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले टीम ने 2022, 2023 में भी ये खिताब जीता था।

फाइनल में नीदरलैंड्स की टीम ने आक्रामक रुख अपनाया। मैच की शुरुआत में ही उसने हमले शुरु कर दिये और दो गोल दाग दिये। उसके हमलों से अर्जेंटीना टीम अंत तक उबर नहीं पायी। नीदरलैंड्स की पहला गोल आइवी टेलियर ने 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिये किया। इससे डच टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके कुछ समय बाद ही गूसजे मोएस ने 27वें मिनट में गोल करके उसके 2-0 की बढ़त दिला दी।

वहीं अर्जेंटीना की टीम इससे दबाव में आ गयी। अर्जेंटीना ने दूसरे क्वार्टर में बराबरी के भी प्रयास किये। दो बार वह गोल के करीब पहुंच गयी पर सफल नहीं रही। उसके ओर से एकमात्र गोल लारा कैसास ने 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे स्कोर 2-1 हो गया। इसके बाद अर्जेंटीना के हौंसले बढ़े और उसने तेजी से हमले शुरु किये पर वह डच रक्षापंक्ति को भेद नहीं पायी। वहीं एक अन्य मुकाबले में ब्राजील ने चीन को 5-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक हासिल किया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: मुंबई ने हरियाणा को चार विकेट से हराया, यशस्वी की तूफानी शतकीय पारी

पुणे ■ एजेंसी

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की तूफानी शतकीय पारी के दम पर मुंबई की टीम ने रविवार को पुणे के अम्बी स्थित डीवाई पाटिल अकादमी में खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट 2025 के मैच में हरियाणा को चार विकेट से हरा दिया। मैच में यशस्वी ने 50 गेंदों पर 101 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 16 चौके और एक छक्का निकला।

सुपर लीग ग्रुप बी के मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 234 रन का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में मुंबई की टीम ने 17.3 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 238 रन बनाकर मैच में जीत हासिल कर ली।

मैच में टॉस जीतकर मुंबई ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की टीम को कप्तान अंकित कुमार और अर्श रंगा ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी हुई। अर्श 26 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अंकित और निशांत सिंधु के बीच शतकीय साझेदारी हुई। अंकित 42 गेंदों पर 89 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और 6 छक्के लगाए। सामंत जाखड़ 14 गेंदों में 31 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुए। निशांत सिंधु ने 38 गेंदों में 4 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 63 रन और सुमित कुमार ने नाबाद 16 रन बनाए। हरियाणा ने तीन विकेट के नुकसान पर 20 ओवर में 234 रन का स्कोर बनाया।

इसके बाद 235 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की भी अच्छी शुरुआत हुई। अजिंक्य रहाणे और यशस्वी जायसवाल ने पहले विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की। रहाणे 10 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जायसवाल ने सरफराज खान के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे और टीम के स्कोर को 6 ओवर में ही 100 के पार पहुंचा दिया। टीम का दूसरा विकेट सरफराज के रूप में गिरा। वह 25 गेंदों में 64 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलकर आउट हुए। इस पारी में उनके बल्ले से 9 चौके और 3 छक्के निकले। यहां से यशस्वी ने अकेले मोर्चा संभाला और 48 गेंदो पर अपना शतक पूरा किया। वह 50 गेंदों में 101 रन की शतकीय पारी खेलकर आउट हुए, लेकिन तब तक वह टीम की जीत पक्की कर चुके थे। मुंबई की टीम ने 17.3 ओवर में 6 विकेट पर 238 रन बनाकर मैच जीत लिया। अंगकृष रघुवंशी 7 रन, सूर्यांश शेडगे 13 रन और शार्दुल ठाकुर ने 2 रन बनाए। साईराज पाटिल ने नाबाद 8 रन और अथर्व अंकोलेकर ने नाबाद 10 रन बनाए।

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

दो साल में योनो ऐप के उपयोगकर्ताओं की संख्या 20 करोड़ करने का लक्ष्य: चेयरमैन

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म योनो (योनो ऐप) को लेकर बड़ा लक्ष्य तय किया है। एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक अगले दो साल में योनो ऐप के यूजर बेस को दोगुना कर 20 करोड़ तक पहुंचाने की योजना बना रहा है। बैंक के चेयरमैन सी. एस सेठी ने रविवार को एक साक्षात्कार में बताया कि स्टेट बैंक योनो ऐप का नया संस्करण सोमवार को पेश करने के साथ अगले दो वर्षों में इसके उपयोगकर्ता आधार को दोगुना कर 20 करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। उन्होंने कहा कि 'योनो 2.0' में एक बड़ा अपग्रेड है, जो ग्राहकों को बेहतर अनुभव देगा। इसके साथ ही बैंक के लिए एक मजबूत डिजिटल मंच उपलब्ध कराएगा। इसकी सभी विशेषताएं 6-8 महीनों में चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएंगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि योनो 2.0 में खाता खोलने या किसी भी अन्य लेन-देन के दौरान इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और शाखा चैनलों पर एक समान और निर्बाध अनुभव सुनिश्चित होगा। एसबीआई चेयरमैन ने कहा, 'आज हमारे पास लगभग 10 करोड़ ग्राहक आधार है। शेट्टी ने कहा हमारा उद्देश्य 20 करोड़ ग्राहकों को योनो मोबाइल बैंकिंग या इंटरनेट बैंकिंग से जोड़ना है। कुल मिलाकर करीब 20 करोड़ का ग्राहक आधार तैयार करना हमारा लक्ष्य है, जिसके लिए बुनियादी ढांचे में बड़े स्तर पर निवेश करना जरूरी है।

यात्रियों का आरोप- कई एयरलाइंस तय सीमा से अधिक किराया वसूल रही

नई दिल्ली। देश भर में घरेलू उड़ानों की टिकट बुकिंग करने वाले यात्रियों का कहना है कि सरकार द्वारा तय की गई किराया सीमा के बावजूद एयरलाइंस ऊंचे दाम वसूल रही हैं। कम्युनिटी प्लेटफॉर्म लोकलसर्किल्स के हालिया सर्वे में यह बात सामने आई है कि करीब 10 में से 6 यात्रियों ने किराया सीमा के उल्लंघन के मामले देखे हैं। यह शिकायतें 6 दिसंबर के बाद भी जारी हैं, जबकि इसी दिन नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अस्थायी तौर पर किराए की अधिकतम सीमा लागू की थी। दरअसल, 3 से 6 दिसंबर के बीच घरेलू उड़ानों के टिकटों के दाम अचानक काफी बढ़ गए थे। यात्रियों की लगातार शिकायतों के बाद सरकार ने इकोनॉमी क्लास की नॉन-स्टॉप घरेलू उड़ानों पर बेस किराया सीमा तय की। इसके तहत 500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए अधिकतम 7,500 रुपये, 500 से 1,000 किलोमीटर के लिए 12,000 रुपये, 1,000 से 1,500 किलोमीटर के लिए 15,000 रुपये और 1,500 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए 18,000 रुपये किराया तय किया गया। टैक्स और एयरपोर्ट शुल्क इससे अलग हैं। सरकार ने इसे अस्थायी कदम बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अधिक वसूली पर रोक लगाना है।

टॉप 10 में शामिल देश की 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 79 हजार करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 79 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान में बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक रहीं। दूसरी ओर टॉप 10 कंपनियों में से 2 कंपनियों के मार्केट कैप में 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इंफोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 79,129.21 करोड़ रुपये की कमी हो गई। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टूब्रो के मार्केट कैप में 25,344.85 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

8 से 12 दिसंबर के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 20,434.03 करोड़ रुपये की छलांग लगा कर 21,05,652.74 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह लार्सन एंड टूब्रो का मार्केट कैप 4,910.82 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 5,60,370.38 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

महंगाई के आंकड़े और वैश्विक रुझान का रूख तय करेगा बाजार की दिशा

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (हि.स)। विश्लेषकों की मानें तो इस हफ्ते शेयर बाजार की दिशा थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर के आंकड़े, विदेशी निवेशकों के रूख और वैश्विक संकेतों से तय होगी। शेयर बाजार के जानकारों ने रविवार को बताया कि इसके अलावा निवेशकों की नजर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी। शेयर बाजार में पिछले हफ्ते उतार-चढ़ाव रहा और वे नकारात्मक दायरे में बंद हुए। दरअसल, बीते हफ्ते बीएसई का सेंसेक्स 444.71 अंक यानी 0.51 फीसदी तक गिरा।

दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 19,289.70 करोड़ रुपये फिसल कर 6,33,106.69 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 18,516.31 करोड़ रुपये कम होकर 9,76,668.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा भारती एयरटेल का मार्केट कैप 13,884.63 करोड़ रुपये टूट कर 11,87,948.11 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मार्केट कैप 7,846.02 करोड़ रुपये की घट कर 8,88,816.17 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 7,145.95 करोड़ रुपये की कमी के साथ 6,64,220.58 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 6,783.92 करोड़ रुपये कम होकर 11,65,078.45 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 4,460.93 करोड़ रुपये कम होकर 15,38,558.71 करोड़ रुपये के स्तर पर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 1,201.75 करोड़ रुपये घट कर 5,48,820.05 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 21,05,652.74 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 15,38,558.71 करोड़), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 11,87,948.11 करोड़), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 11,65,078.45 करोड़), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,76,668.15 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 8,88,816.17 करोड़), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,64,220.58 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 6,33,106.69 करोड़), लार्सन एंड टूब्रो (कुल मार्केट कैप 5,60,370.38 करोड़) और एलआईसी (कुल मार्केट कैप 5,48,820.05 करोड़) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

दिसंबर में बिकवाल बने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, स्टॉक मार्केट से 17,955 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। दिसंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लगातार बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने हुए हैं। दिसंबर के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने इक्विटी मार्केट से 17,955 करोड़ रुपये की निकासी की है। इस निकासी के कारण साल 2025 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से हुई बिकवाली का आंकड़ा 1.60 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली के जवाब में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी कमर कस ली है?। इस महीने डीआईआई लगातार लिवाल (बायर) की भूमिका में बने हुए हैं। नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार दिसंबर के महीने में अभी तक घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 39,965 करोड़ रुपये की खरीदारी की है, जिसके कारण विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद घरेलू शेयर बाजार की स्थिति मजबूत बनी हुई है। माना जा रहा है कि डीआईआई द्वारा लगातार खरीदारी का जोर बनाए रखने की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को भी आने वाले दिनों में अपनी बिकवाली की रणनीति में बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। इसके पहले नवंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में बिकवाली के जरिये 3,765 करोड़ रुपये की निकासी की थी। हालांकि नवंबर के पहले अक्टूबर के महीने में एफपीआई ने स्टॉक मार्केट में 14,610 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की थी। अक्टूबर में हुई खरीदारी के पहले 3 महीने तक एफपीआई लगातार बिकवाली करते रहे थे। सितंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों की बिक्री करके स्टॉक मार्केट से 23,885 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की निकासी की थी। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 01 दिसंबर से लेकर 12 दिसंबर की अवधि में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने लिवाली और बिकवाली मिला कर शुद्ध रूप से 17,955 करोड़ रुपये की निकासी की। दिसंबर के महीने में विदेशी निवेशकों ने डेट मार्केट से भी जनरल लिमिट के तहत 310 करोड़ रुपये निकाले। दूसरी ओर, इस अवधि में विदेशी निवेशकों ने वॉलंटरी रिटेंशन रूट के जरिए 151 करोड़ रुपये का निवेश किया। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि रुपये की कीमत में लगातार आ रही गिरावट और भारतीय स्टॉक मार्केट के अधिक वैल्यूएशन की वजह से विदेशी निवेशक लगातार बिकवाली का रवैया अपनाये हुए हैं।

घरेलू सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की कीमत में 6,100 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी जारी है। दूसरी ओर चांदी आज 6 हजार रुपये से अधिक सस्ती हो गई है। सोना आज 640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसके विपरीत चांदी की कीमत में आज 6,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आ गई है।

सोने की कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,33,910 रुपये से लेकर 1,34,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,22,750 रुपये से लेकर 1,22,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,98,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 3,770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 3,450 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी इस सप्ताह ओवरऑल तेजी दर्ज की गई है। इस सप्ताह के कारोबार में ये चमकीली धातु आज की जोरदार गिरावट के बावजूद पिछले सप्ताह की तुलना में 8,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है।

केंद्र ने नए श्रम कानूनों की अधिसूचना जारी की, लेकिन नियम बनाना भूल गई, न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह ठप : जीके छिब्बर

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्यप्रदेश लघु उद्योग संघ और जीआएए द्वारा नए श्रम संहिताओं पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें श्रम कानून विशेषज्ञ एडवोकेट जीके छिब्बर ने अपने विचार रखें।

अधिवक्ता जी के छिब्बर ने कहा कि केंद्र सरकार ने चारों संहिताओं की अधिसूचना तो जारी कर दी है, लेकिन संहिताओं के नियम अभी गठित नहीं हुवे है इसलिए अधिसूचना समुचित रूप से प्रभावी नहीं मानी जा सकती है, क्योंकि नए कानूनों के न्यायिक प्रक्रिया 21 नवम्बर 25 से

ठप्प हो गई थी ट्रिब्यूनल का गठन नहीं हुआ है।

अधिवक्ता छिब्बर ने 29 श्रम कानूनों को चार संहिताओं को समाहित करने एवं नए प्रावधानों की जानकारी दी। औद्योगिक सम्बन्ध संहिता ओर वेतन संहिता को संक्षिप्त में बताया अधिवक्ता छिब्बर ने श्रोताओं के प्रश्नों के जवाब दिए ओर जिज्ञाओं का समाधान किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ अध्यक्ष विजय गौड़ ने अधिवक्ता जी के छिब्बर का स्वागत किया ओर नए श्रम कानूनों की जानकारी के लिए व्याख्यान के लिए धन्यवाद दिया कार्यक्रम का संचालन सुनील भार्गव ने किया।

कार्यक्रम के समापन पर मध्य प्रदेश लघु उद्योग संघ ओर गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से वी के जैन ओर योगेश गोयल ने अधिवक्ता जीके छिब्बर को स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

उप राष्ट्रपति ने सम्राट पेरुम्बिदुगु मुथरैयार के सम्मान में स्मारक डाक टिकट किया जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को उप राष्ट्रपति एन्क्लेव में सम्राट पेरुम्बिदुगु मुथरैयार द्वितीय (सुवरन मारन) के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। ?इस अवसर पर केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, सूचना एवं प्रसारण एवं संसदीय कार्य मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन भी उपस्थित थे।

सम्राट पेरुम्बिदुगु मुथरैयार द्वितीय (सुवरन मारन) के सम्मान में स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि यह कदम गुमनाम तमिल राजाओं और स्वतंत्रता सेनानियों को मान्यता देने के केंद्र सरकार के प्रयासों का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के कई स्थानों पर मिले शिलालेख सम्राट के मंदिर दान, सिंचाई कार्यों और तमिल साहित्य में योगदान की गवाही देते हैं। सम्राट मुथरैयार का शासनकाल दक्षिण भारतीय इतिहास में विशिष्ट स्थान रखता है।

उप राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री के साल 2047 तक विकसित भारत के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की सांस्कृतिक विरासत और महान नेताओं की धरोहर का दस्तावेजीकरण, सम्मान और संरक्षण एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। साल 2014 से अब तक लगभग 642 चोरी हुई मूर्तियां और प्राचीन वस्तुएं बरामद की जा चुकी हैं, जिनमें से कई तमिलनाडु से जुड़ी हैं।

उल्लेखनीय है कि सम्राट पेरुम्बिदुगु मुथरैयार द्वितीय (सुवरन मारन) प्राचीन तमिलनाडु के सबसे प्रसिद्ध शासकों में से एक थे और गौरवशाली मुथरैयार वंश से संबंधित थे। उन्होंने 7वीं और 9वीं शताब्दी ईस्वी के बीच तमिलनाडु के मध्य क्षेत्रों पर शासन किया, जिसमें तिरुचिरापल्ली उनका केंद्र था।

अमेरिका के ब्राउन विवि में परीक्षा के दौरान गोलीबारी, दो की मौत, आठ घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के रोड आइलैंड के ब्राउन विश्व विद्यालय (यूनिवर्सिटी) में गोलीबारी में कम से कम दो लोग मारे गए और कई घायल हो गए। वारदात के समय विश्व विद्यालय में परीक्षा हो रही थी। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी करने के बाद संदिग्ध भाग गया। उसकी तलाश की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह गोलीबारी शनिवार दोपहर ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई। शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रोविडेंस के मेयर ब्रेट स्माइली ने कहा कि स्थानीय समय के अनुसार शाम चार बजे के कुछ देर बाद उन्हें बारस एंड हॉली इंजीनियरिंग बिल्डिंग में गोलीबारी की सूचना मिली। स्माइली ने कहा कि कम से कम दो लोग मारे गए और आठ अन्य को गंभीर हालत में रोड आइलैंड अस्पताल ले जाया गया।

सूरत में 'हीराबा खमकार योजना' के तहत 1100 जरूरतमंद बेटियों को मिला शिक्षा सहयोग

सूरत। गुजरात के सूरत में बेटियों की शिक्षा और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'हीराबा खमकार योजना' के अंतर्गत चेक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जहां 1100 जरूरतमंद बेटियों को शिक्षा सहयोग दिया गया वहीं इसका लक्ष्य 21 हजार बेटियों तक सहायता पहुंचाना निर्धारित किया गया है। यह कार्यक्रम रविवार को वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी के कन्वेंशन हॉल में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में सम्मानित गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

केंद्रीय मंत्रसी गजेन्द्र सिंह शेखावत ने विपक्ष के नेता पर कसा जोरदार तंज

एक समय आएगा, जब कांग्रेस के लोग उस समय को कोसेंगे, जब राहुल गांधी पार्टी के नेता थे

जयपुर ■ एजेंसी

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा कि जो कोई न समझता हो, उसको समझाया जा सकता है, लेकिन किसी ने नहीं समझने का तय किया हुआ हो, उसको समझाना बहुत मुश्किल है। दिल्ली में रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली पर शेखावत ने कहा कि मुझे लगता है कि राहुल गांधी की रैली में जाने से पहले कांग्रेस के लोगों को लोकसभा में जब इस विषय पर चर्चा हुई थी, उस पर गृह मंत्री जी का भाषण एक बार पढ़ लेना चाहिए।

रविवार को अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि एक समय आएगा, जब कांग्रेस पार्टी के लोग उस समय को कोसेंगे, जब राहुल गांधी पार्टी के नेता थे। उन्होंने कहा कि पार्लियामेंट में इतना समय व्यर्थ करने के बाद, उन्होंने चर्चा मांगी और उस चर्चा में 'जबरदस्त पिटाई हुई' और उन्हें छोड़ के भागना पड़ा। शेखावत ने राफेल विवाद का उदाहरण दिया, जहां राहुल गांधी ने 'पार्लियामेंट के फ्लोर पर राफेल की टोटल डील से ज्यादा का घोटाला बता दिया था' और सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद माफी मांगी थी। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका कभी न कभी उनके द्वारा संवैधानिक संस्थाओं पर किए जा रहे हमले के लिए कठोर फटकार लगाएगी। उसके बाद यह चैप्टर बंद हो जाएगा।

बंगाल में बनेगी भाजपा सरकार

पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने भविष्यवाणी की कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता ने इस कुशासन और अत्याचारी शासन को समाप्त करने का मानस बना लिया है। अबकी बार में प्रचंड बहुमत के साथ में भाजपा सरकार में आएगी। बंगाल का भी उसी तरह से विकास हो पाएगा, जो बंगाल का विनाश पिछले पांच दशक में इन सबने मिलकर के किया है। शेखावत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुचिता बनाए रखने पर भी जोर दिया, चाहे कोई किसी भी दल, पद या क्षेत्र में काम कर रहा हो।

तेजी से बढ़ रहा पर्यटन

पर्यटन से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि जो लोग यह कहते हैं कि प्रयास नहीं हो रहे हैं या पर्यटन दिखता नहीं है, उन्हें जमीनी हकीकत देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वो कल जैसलमेर में थे और कल रात होटल व्यवसाय के लोगों से मुलाकात की। कल के दिन में जैसलमेर में एक भी होटल में एक भी रूम अवेलेबल नहीं था। शेखावत ने कहा कि देश का पर्यटन लगभग 15 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों तरह के पर्यटक बढ़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष केंद्र सरकार ने राजस्थान सरकार को पर्यटक स्थलों के विकास के लिए लगभग 450 करोड़ रुपये दिए थे, जिसमें खाटू श्याम जी और करणी माता जी जैसे प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं। सरकार अब आइकॉनिक प्लेसेस विकसित करना चाहती है, जो ग्लोबल लेवल के डेस्टिनेशन बनें।

नागालैंड हॉर्नबिल महोत्सव देश की सांस्कृतिक समृद्धि और आदिवासी विरासत का सशक्त प्रतीक : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव को देश की सांस्कृतिक समृद्धि और आदिवासी विरासत का सशक्त प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर ही नए और आत्मविश्वास से भरे भारत की पहचान है। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के एक 'एक्स' पोस्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह महोत्सव तो इंसानी जज्बे की पूरी झलक है तथा इसमें पुरानी और आज की चीजों का शानदार मेल है। उन्होंने कहा कि जब पूर्वोत्तर आगे बढ़ेगा और चमकेगा, तभी हमारा पूरा देश तरक्की कर पाएगा। नागालैंड की अनूठी सांस्कृतिक पहचान पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह राज्य केवल त्योहार आयोजित नहीं करता, बल्कि स्वयं उत्सव का प्रतीक है। इससे राज्य को 'त्योहारों की भूमि' कहलाने का गौरव प्राप्त होता है। उल्लेखनीय है कि हॉर्नबिल महोत्सव भारत की सांस्कृतिक प्रतिभा और पूर्वोत्तर के बढ़ते आत्मविश्वास का उत्सव है।

बस्तर संभाग में नक्सलियों के एमएमसी जोन और केंद्रीय समिति का ऊपरी ढांचा ध्वस्त

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नक्सलवाद अब अपने अंतिम दौर में पहुंचता दिख रहा है। एमएमसी जोन प्रभारी और केंद्रीय समिति सदस्यों के लगातार सरेंडर के बाद संगठन का ऊपरी ढांचा लगभग धराशायी हो चुका है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि की है। बस्तर आईजी ने कहा कि वर्तमान में दक्षिण बस्तर के सीमित हिस्सों में सिर्फ बारसे देवा और पापा राव जैसे कमांडर ही सक्रिय बचे हैं, जो अस्तित्व बचाने के लिए छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के जंगलों में छिपे हुए हैं। इनके अलावा डिविजनल कमेटी स्तर के नक्सली कैडरों में सोमडू, सोढ़ी केसा, दिलीप बेज्जा व राहुल पूनेम अभी भी छिपे हुए हैं, जिन्हें लक्षित कर अब सुरक्षाबलों ने अंतिम प्रहार की तैयारी तेज कर दी है। मार्च 2026 तक बस्तर को पूरी तरह नक्सल मुक्त करने के लक्ष्य के तहत बड़े पैमाने पर समन्वित सर्च ऑपरेशन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। उल्लेखनीय है कि नक्सलियों के एमएमसी जोन के दर्रेकसा एरिया कमेटी कमांडर सहित 20 लाख के इनामी तीन नक्सलियों ने रविवार को महाराष्ट्र में आत्मसमर्पण कर दिया है। इससे पहले 28 नवंबर को नक्सलियों की एमएमएसी जोन के प्रवक्ता व जेआरबी डिवीजन के इंचार्ज विकास नागपुरे उर्फ रमेश सय्याना भास्कर समेत दस अन्य नक्सलियों ने भी गोंदिया पुलिस के सामने समर्पण किया था। वहीं 7 दिसंबर को 11 नक्सलियों ने बालाघाट पुलिस के सामने हथियार डाले थे। सबसे बड़ी कामयाबी छग सुरक्षा एजेंसियों को मिली जब 8 दिसंबर को नक्सलियों के शीर्ष कैडर 1.05 करोड़ के इनामी रामधेर और उसके 11 साथियों के साथ अविभाजित राजनांदगांव जिले में समर्पण किया।

काशी-तमिल संगमम साझा सभ्यता और नियति का उत्सवः डॉ. मजूमदार

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री काशी-तमिल संगमम के कार्यक्रम में हुए शामिल

वाराणसी ■ एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने रविवार को कहा कि उत्तर दिशा बाबा विश्वनाथ के चरणों में नमन करती है जो दक्षिण रामेश्वरम से उसी भक्ति-परंपरा को आगे बढ़ाता है। यह एक अविच्छिन्न आध्यात्मिक परिपथ है। काशी-तमिल संगमम इसी प्राचीन, निरंतर साझा सभ्यता और नियति का उत्सव है।

केन्द्रीय मंत्री नमोघाट पर आयोजित काशी-तमिल संगमम के चौथे संस्करण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि काशी-तमिल संगमम् 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना का सजीव और अनुभवात्मक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि काशी की यह यात्रा सभी के लिए आनंददायक है और यह आयोजन चोल और पांड्य जैसी महान सभ्यताओं से आकार पाई भारत की जीवंत, बहुरंगी जीवन-परंपराओं का उत्सव है।

केंद्रीय मंत्री मजूमदार ने काशी आए सभी तमिल प्रतिभागियों का स्वागत किया। मंत्री ने कहा कि काशी-तमिल संगमम् का यह संस्करण भाषायी सेतुओं को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से समर्पित है तथा इसकी थीम 'तमिल करकलाम (तमिल सीखें)' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस पहल का हिस्सा है, जो भारत की सभ्यता और आत्मा को जोड़ने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि हमारी साझा थाली, मसालों की सुगंध, कांचीपुरम की रेशमी साड़ियां और बनारसी सिल्क, तथा दोनों क्षेत्रों के विद्वानों और शिल्प परंपराओं में प्रत्यक्ष दिखाई देती है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे यहां केवल दर्शक बनकर न रहें, बल्कि मित्रता करें, संस्कृति को आत्मसात करें, अनुभवों को साझा करें और लौटकर साझा सांस्कृतिक सेतु के दूत बनें।

उन्होंने विद्यार्थियों से विशेष रूप से संवाद करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को भाषा की दीवारों को तोड़ना होगा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप भारतीय शिक्षा प्रणाली की बहुभाषिक समृद्धि को अपनाना होगा। उन्होंने उत्तर भारत के विद्यार्थियों से तमिल सीखने और दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु के विद्यार्थियों से अपनी भाषा और संस्कृति को साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिस मन में गंगा की कविता और कावेरी का दर्शन एक साथ समाहित हो जाए, वही वास्तव में शिक्षित भारतीय मन है। काशी तमिल संगमम दोनों संस्कृतियों की साझा धड़कन को स्वर देता है।

कार्यक्रम में आईआईटी-बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा ने कहा कि काशी तमिल संगमम् 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना का जीवंत और अनुभूतिपरक उदाहरण है। काशी और तमिलनाडु भारत की सभ्यता और ज्ञान के दो पवित्र ध्रुव हैं-यदि काशी भारतीय आध्यात्मिक चेतना की नाभि है, तो तमिलनाडु कावेरी के तट पर प्रवाहित भक्ति, साहित्य और दर्शन की भूमि है। प्रो. अमित पात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए कहा कि 'तमिल करकलाम' जैसी पहलें भाषायी सीमाओं को तोड़कर सभ्यताओं के बीच सेतु का कार्य करती हैं। यह संगम केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भारत की साझा बौद्धिक और आत्मिक विरासत की पुनः खोज है।

नेपाल में सीपीएन-यूएमएल का 11वां महाधिवेशन शुरू, पार्टी के नए नेतृत्व का होगा चयन

काठमांडू ■ एजेंसी

काठमांडू स्थित भृकुटीमंडप में नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएन-यूएमएल) के 11वें महाधिवेशन का बंद रविवार से शुरू हुआ है, जिसमें पार्टी के नए नेतृत्व का चयन किया जाएगा। भक्तपुर के सल्लाघारी में हुए महाधिवेशन के उद्घाटन के बाद नेतृत्व चयन से संबंधित यह प्रक्रिया आज और कल काठमांडू में जारी रहेगी।

पार्टी अध्यक्ष केपी शर्मा ओली को इस बार वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईश्वर पोखरेल से नेतृत्व की चुनौती मिल रही है। हालांकि, सत्र शुरू होने तक दोनों में से किसी भी पक्ष ने औपचारिक रूप से अपना पैनल घोषित नहीं किया है। अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवारी घोषित कर चुके पोखरेल को पूर्व राष्ट्रपति एवं पार्टी की पूर्व उपाध्यक्ष विद्या भंडारी गुट का समर्थन मिलने की चर्चा है, जिससे संभावित 'ईश्वर-विद्या' पैनल को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। नेतृत्व चयन प्रक्रिया में कुल 2,262 महाधिवेशन प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। पार्टी की मौजूदा संरचना के अनुसार, यूएमएल में कुल 15 पदाधिकारी होते हैं, जिनमें एक अध्यक्ष, तीन उपाध्यक्ष, एक महासचिव, तीन उपमहासचिव और सात सचिव शामिल हैं। इसी बीच, सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष केपी शर्मा ओली ने पार्टी विधान में संशोधन कर 10वें महाधिवेशन में अपनाए गए प्रावधानों को प्रभावी रूप से बरकरार रखा है। नए मसौदे को तीन महीने के भीतर संशोधित करते हुए किए गए इस बदलाव के तहत अब पार्टी में 19 पदाधिकारियों सहित 301 सदस्यीय केंद्रीय समिति का प्रावधान किया गया है। विधान संशोधन प्रस्ताव को रविवार को भृकुटीमंडप में हुई केंद्रीय समिति की बैठक में पेश किया गया, जिसे बहुमत से पारित कर दिया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईश्वर पोखरेल गुट के नेताओं ने इस संशोधन पर तीव्र असंतोष व्यक्त किया, लेकिन बहुमत ने ओली के प्रस्ताव का समर्थन किया।

एच1बी वीजा की फीस बढ़ाकर 1 लाख डॉलर करने के विरोध में 20 राज्यों ने किया मुकदमा दर्ज

वाशिंगटन ■ एजेंसी

बीते वक्त में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय छात्रों, पेशेवरों (आईटी, तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े) द्वारा बड़े पैमाने पर प्रयोग किए जाने वाले एच1बी वीजा की फीस को कई गुना बढ़ाकर 1 लाख डॉलर करने का फैसला अब उन पर ही भारी पड़ता हुआ नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा के नेतृत्व में अमेरिका के मैसाचुसेट्स, न्यूयॉर्क, इलिनॉइस जैसे डेमोक्रेटिक दल के बहुमत वाले 20 राज्यों ने राष्ट्रपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अमेरिकी राज्यों का तर्क है कि देश के राष्ट्रपति को इस प्रकार का कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए था। क्योंकि यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है। एच1बी वीजा की फीस बढ़ाने से अमेरिका की आवश्यक सेवाओं की सूची में शामिल चिकित्सा क्षेत्र जैसे अस्पतालों, सामाजिक क्षेत्र जैसे सार्वजनिक स्कूलों और विश्वविद्यालयों पर बड़ा जटिल खतरा आ जाएगा। भारत से सालाना करीब तीन लाख से अधिक छात्र इस वीजा के माध्यम से अमेरिका में उच्च-शिक्षा या रोजगार के सिलसिले में जाते हैं। लेकिन वर्तमान समय में वीजा की फीस में अचानक की गई भारी भरकम बढ़ोतरी की वजह से छात्रों और उनके अभिभावकों के माथे पर चिंता की लकीरें साफतौर पर देखी जा सकती हैं। बताते चलें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लिए गए निर्णयों की पूर्व में भी विपक्षी दलों ने तीखी आलोचना की है।

क्षेत्रीय परिवहन में मील का पत्थर: मिज़ोरम में पहली बार रेल से पहुंची कारें

सैयरांग। मिजोरम के सैयरांग रेलवे स्टेशन पर पहली बार 119 मारुति कारें सीधे रेल मार्ग से पहुंचीं। गुवाहाटी के चांगसारी से आई इस ऐतिहासिक खेप से आइजॉल में वाहन उपलब्धता बढ़ेगी, लंबी सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होगी और राज्य के ऑटोमोबाइल सेक्टर, डीलर, सेवा प्रदाता और ग्राहकों को लाभ मिलेगा। यह कदम मिजोरम के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। बैराबी-सैयरांग रेलवे लाइन मिजोरम के लिए एक प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्धि है। यह 51.38 किलोमीटर लंबी लाइन चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों से गुजरती है और इसमें 45 सुरंगें हैं। यह रेलवे लाइन क्षेत्र को देश के अन्य हिस्सों के साथ रणनीतिक रूप से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-भोपाल
माधवराव सप्रे मार्ग,(मुख्य मार्ग क्रमांक-03)
भोपाल (म0 प्र0)462003

नि.आं.सू. क्रं 13/एन.एच.एम/2025-26/1760 — भोपाल, दिनांक 05/12/2025

निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-भोपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाईन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम)से(www.mptenders.gov.in) (Department of Directorate of Health Services) दो लिफाफा से प्रपत्र "अ" फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पी.आई.यू. लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर.01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित)दरों पर आमंत्रित की जाती है।निविदा का विवरण निम्नानुसार है:

ई-निविदा सूचना क्रमांक-13/2025-26 दिनांक 05.12.2025

सं. क्रं	टेण्डर नं. 2025_DHS	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	जमा धरोहर राशि रू.	टेण्डर दर राशि रू.	समय सीमा वर्षाकाल सहित
1	2025_DHS_466397	जिला बैतूल विकासखण्ड घोडाडोगरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोडाडोगरी में ब्लाक पब्लिक हेल्थ यूनिट की स्थापना कार्य। द्वितीय आमंत्रण	42.37	50000.00	5000.00	06 माह

1. संबंधित एन.आई.टी.वेबसाइट(http://www.mptenders.gov.in)पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र आनलाईन दिनांक 09.12.2025 प्रातः 10.30 से दिनांक 24.12.2025 सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते है।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी,एन.एच.एम भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाईट(http://www.mptenders.gov.in)पर प्रकाशित किया जावेगा एवं समाचार पत्रो मे नही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
संभाग-भोपाल

जी 22724/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग, बैतूल म.प्र.
Web site : www. mp.gov.in/pwdmp — Email: eepwdbetul@m.p.nic.in

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि लोक निर्माण विभाग उपसंभाग मुलताई के अन्तर्गत निम्नलिखित जीर्ण-शीर्ण (कण्डम) भवन की समस्त सामग्रियों "जहॉ है जैसी है" की स्थिति के आधार पर खुली नीलामी 22/12/2025 दिन सोमवार को समय 2.00 से आयोजित की गई है।

इच्छुक व्यक्ति अनुविभागीय अधिकारी लो.नि.वि. मुलताई कार्यालय के प्रांगण में दिनांक 22/12/2025 दिन सोमवार दोपहर समय 11.00 बजे से 1.00 बजे तक बोलीकर्ता आवश्यक रूप से निर्धारित अमानति राशि जो की राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी एफ.डी.आर. जो अनुविभागीय अधिकारी, लो.नि.वि. (भ./स.) उपसंभाग मुलताई के नाम से देय हो, बोलीकर्ता को अपनी पहचान हेतु आधार कार्ड की प्रति के साथ जमा की जाकर बोली लगाने हेतु उपस्थित हो सकते है। नीलामी की जाने वाली सम्पत्ति का विवरण निम्नानुसार है।

क्र0	नीलामी की जाने वाली सम्पत्ति का विवरण	आपसेट प्राईज रूपये	अमानत राशि रूपये	स्थान जहॉ सामग्री उपलब्ध है।
1	विकास खण्ड मुलताई के अन्तर्गत शास.प्राथ. शाला सोनोली भवन का जीर्ण-शीर्ण (कंडम) भवन	12,475.00	1300.00	ग्राम पंचायत जामगांव में प्राथ. शाला सोनोली भवन
2	विकास खण्ड मुलताई के अन्तर्गत न्यायाधीश आवास हेतु आवंटित भूखण्ड के पूर्व दिशा में स्थित जीर्ण-शीर्ण (कंडम) भवन	11,000.00	1100.00	न्यायाधीश आवास हेतु आवंटित भूखण्ड के पूर्व दिशा में स्थित जीर्ण-शीर्ण (कंडम) भवन

शेष नियम एवम् शर्ते अनुविभागीय अधिकारी, लो.नि.वि. उपसंभाग मुलताई में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

सहपत्रः-शून्य ।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ./स.)
संभाग बैतूल

जी 22705/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1, नर्मदापुरम (म.प्र.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निविदा सूचना क्र0 24/2025/e-Tender/N.Puram — दि0 08/12/2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं । उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

स0 क्र0	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानती राशि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWDRB_466767	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पिपरिया के अंतर्गत उमरधा से पासीघाट मार्ग, खापरखेड़ा से चांदौन मार्ग, सोहागपुर गुंदरई, करनपुर, आमादेही, नकटुआ, चारगांव, सांगई (करनपुर से नकटुआ) मार्ग एवं सोहागपुर सियारखेड़ा टेकापार मार्ग, कुल लं. 15.90 कि.मी. पर बी.टी. नवीनीकरण कार्य।	तृतीय	224.29	224290/-

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा । निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 26/12/2025 सायं 17:30 बजे निर्धारित है । विस्तृत एन0 आई0 टी0 एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है । निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा । पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा । मूल एफ0 डी0 आर0 एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही प्राप्त किए जावेंगे ।

कार्यपालन यंत्री,
लो.नि.वि. संभाग नर्मदापुरम

जी 22727/25

संक्षिप्त समाचार

जय हो समिति द्वारा माँ नर्मदा घाट पर 280वां साप्ताहिक सेवा अभियान संपन्न

नर्मदापुरम। जय हो समिति द्वारा माँ नर्मदा घाट पर निरंतर चलाए जा रहे सेवा, स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत आज 280वां साप्ताहिक कार्यक्रम श्रद्धा और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने माँ नर्मदा परमहंस घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया, घाट परिसर की साफ–सफाई की तथा आमजन को नर्मदा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं धार्मिक स्थलों की गरिमा बनाए रखने का संदेश दिया। जय हो समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले 280 सप्ताहों से निरंतर यह अभियान बिना रुके चल रहा है, जो समाज में सेवा, संस्कार और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत कर रहा है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे माँ नर्मदा की स्वच्छता और संरक्षण में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएं। कार्यक्रम में समिति समिति के सदस्य अनिल मिश्रा, ओम विश्वकर्मा, टोनी दुन्दवि, रमेश उपरारिया, सागर पटैल, राजा मालवीय, अनुराग वर्मा, गणेश यादव, प्रथम बावरिया, विशाल बावरिया, श्रेयांश गौर, परी उपरारिया, पीताम्बर चक्रवर्ती उपस्थित रहे।

चित्रगुप्त घाट पर 'स्वच्छता महाअभियान स्कूली बच्चों ने जगाई अलख

नर्मदापुरम। नर्मदा पुरम के चित्रगुप्त घाट पर अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने एक प्रभावी स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस पुनीत कार्य में पवारखेड़ा स्कूल के छात्रों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। पूजा–अर्चना : न्याय के देवता का सम्मान अभियान की शुरुआत से पहले, स्कूली बच्चों ने भगवान चित्रगुप्त के मंदिर में जाकर पूजन किया। समाज के सदस्यों ने बच्चों को भगवान चित्रगुप्त के महत्व से अवगत कराया, उन्हें न्याय का अधिष्ठाता बताते हुए कहा कि उनका उल्लेख शैक्षणिक पाठ्यक्रम और धार्मिक ग्रंथों दोनों में मिलता है।

कसक गौर विधि मालवी को एथलेटिक्स पदक प्राप्त

सिवनी मालवा। शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय को तात्या टोपे स्टेडियम में आयोजित अंतर महाविद्यालयीन संभाग स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महाविद्यालय की खिलाडी कु कसक गौर ने 400 मी दौड में गोल्ड, 200 मी दौड में कांस्य पदक तथा विधि मालवी ने 800 मी. दौड में कांस्य पदक प्राप्त किया। महाविद्यालय प्राचार्य राजेश कुमार रघुवंशी के कुशल मार्गदर्शन में छात्राओं ने यह उपलब्धि हासिल की। यह जानकारी महाविद्यालय के क्रीडाअधिकारी सोमेश कुमार राठोर ने देते हुये बताया कि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय खेल कूद क्रीडा विभाग के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता का आयोजन जवाहर लाल नेहरू कॉलेज भोपाल दारा किया गया जिसमें महाविद्यालय से उक्त प्रतियोगिता में कु कसक गौर विधि मालवी एवं यश यादव ने प्रतिनिधित्व किया। छात्राओं की उपलब्धि पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने बधाई देते इनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व देश में सम्मानित: 'टूरिस्ट फ्रेंडली नेशनल पार्क' का अवॉर्ड मिला

वन रक्षक राजेश पटेल बने चैंपियन ऑफ द फॉरेस्ट

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम जिले के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को नई दिल्ली में प्रतिष्ठित सम्मान मिला है। शनिवार को आयोजित समारोह में सतपुड़ा अभ्यारण्य को 'टीओएफटी कैलाश सांखला पर्यटक–अनुकूल वन्यजीव राष्ट्रीय उद्यान पुरस्कार 2025' से नवाजा गया। यह पुरस्कार एसटीआर की डिप्टी डायरेक्टर ऋषभा नेताम ने ग्रहण किया। इसी कार्यक्रम में पचमढ़ी में पदस्थ वन रक्षक राजेश पटेल को 'चैंपियन ऑफ द फॉरेस्ट' अवॉर्ड दिया गया।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पचमढ़ी में पदस्थ वन रक्षक राजेश पटेल को टीओएफटी पुरस्कार समारोह में 'चैंपियन ऑफ द फॉरेस्ट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें वन और वन्यजीवों की रक्षा के प्रति उनके अटूट समर्पण, साहस और प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है।

वन मुख्यालय ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी: पुरस्कार मिलने पर वन मुख्यालय ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मप्र वन विभाग की उपलब्धियों की सूची में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। सतपुड़ा बाघ अभ्यारण्य पचमढ़ी को ञ्शस्न्ञ्ज पुरस्कारों में कैलाश सांखला पर्यटक–अनुकूल वन्यजीव राष्ट्रीय उद्यान पुरस्कार मिला है। यह एक गौरवपूर्ण क्षण है जो वन्यजीव संरक्षण दिवस और जिम्मेदार पर्यटन में उत्कृष्टता का जश्न मनाता है।'

हर साल दिया जाता है यह पुरस्कार: 'टाइगर मैन ऑफ इंडिया' कैलाश सांखला के नाम पर यह पुरस्कार हर साल 'टीओएफटी (ञ्जह्रस्नञ्ज) टाइगर' संस्था द्वारा दिया जाता है। साल 2025 में यह पुरस्कार सतपुड़ा बाघ अभ्यारण्य को मिला है। इससे पहले 2024 में पेंच टाइगर रिजर्व को यह सम्मान मिला था। पीलीभीत टाइगर रिजर्व को भी इससे सम्मानित किया जा चुका है।

पर्यावरण मंत्रालय ने की थी शुरुआत: इस पुरस्कार की शुरुआत पर्यावरण मंत्रालय द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण और पर्यटन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। यह खास तौर पर उन पार्कों को दिया जाता है, जो पर्यटकों को बेहतर अनुभव देते हैं और संरक्षण में योगदान करते हैं। यह सम्मान बाघ संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों और संस्थानों को प्रेरित करता है।

नवनिर्मित विश्रामगृह का मंत्री राकेश सिंह ने किया लोकार्पण

इटारसी, निप्र। इटारसी में लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित नवीन विश्रामगृह का लोकार्पण किया गया। जिले के प्रभारी मंत्री और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने रविवार 14 दिसंबर को इसका उद्घाटन किया। इटारसी रेलवे का एक प्रमुख जंक्शन है, जहां मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों का लगातार आवागमन होता है। इसी आवश्यकता को देखते हुए इस आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्रामगृह का निर्माण कराया गया है। लोकार्पण समारोह में सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा और प्रेमशंकर वर्मा उपस्थित रहे। इनके साथ ही भाजपा के वरिष्ठ–कनिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और कई अधिकारी भी मौजूद थे।

लोक निर्माण विभाग के अनुसार, विश्रामगृह निर्माण कार्य को 26 दिसंबर 2022 को 181.03 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली थी। इसकी अनुमानित लागत 128.74 लाख रुपए थी। 441.60 वर्गमीटर क्षेत्रफल में फैले इस भवन का निर्माण कार्य 17 जून 2023 को शुरू हुआ था और इसे 5 अप्रैल 2025 को पूर्ण किया गया।

नए विश्रामगृह में दो वीआईपी कक्ष, दो विश्राम कक्ष, एक किचन, डाइनिंग हॉल, सर्वेंट कक्ष, मीटिंग हॉल और वेटिंग हॉल जैसी सुविधाएं हैं। आगंतुकों के लिए दो शौचालय और दिव्यांगजनों की सुविधा हेतु रैम्प भी बनाया गया है। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इटारसी पुलिस ने रेलवे स्टेशन से सूरजगंज जाने वाली सड़क और ऑडिटोरियम के सामने की सड़क पर बैरिकेडिंग कर यातायात को नियंत्रित किया। मंत्री के आवागमन के दौरान सड़कों को खाली कराया गया।

नपाध्यक्ष नीतू यादव ने किया वार्ड 11 एवं 14 के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव के नेतृत्व में लगातार नगर में विकास कार्य किए जा रहे हैं। ऐसा कोई भी वार्ड नहीं है, जिसमें निर्माण न किए जा रहे हों। सबका साथ सबका विकास की मूलमंत्र के साथ कार्य किए जा रहे हैं। कार्य प्रभारी एवं नपा में उपयंत्री अंबक पाराशर ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा वार्ड 11 एवं 14 में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान वार्ड 11 में 30 लाख की लागत से बन रही नाली का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पार्षद गणेश बाबरिया उपस्थित रहे। इसी तरह वार्ड 14 में 18 लाख की लागत से बन रही सड़क और नाली का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण एवं समय सीमा में कार्य करने के निर्देश दिए।

साथ ही स्थानीय वार्डवासियों से कहा कि सीमेंट कांक्रीट रोड जो बनाई जा रही है। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद प्रेम पंकज पांडे उपस्थित रहीं। वार्ड में सड़क और नाली बनाए जाने पर स्थानीय रहवासियों ने नपाध्यक्ष का आभार जताया।

लड़की के भाई ने की प्रेमी की हत्या प्रेम प्रसंग में बीयर बोतल, धारदार हथियार से मारा

रायसेन। रायसेन जिले के औद्योगिक थाना सतलापुर क्षेत्र में शुक्रवार–शनिवार की दरम्यानी रात हुई एक युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए रविवार को 5 से 6 आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। युवक की बेरहमी से धारदार हथियारों और बीयर की बोतल से हत्या की गई थी। प्रारंभिक जांच में इस हत्या का कारण प्रेम प्रसंग सामने आया है। मृतक की पहचान संजय उर्फ टिल्लू तोमर (33 वर्ष), निवासी वार्ड नंबर 16, सतलापुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, संजय का एक युवती से प्रेम संबंध था, जिसका विरोध युवती के परिजनों को था। इसी बात को लेकर युवती के भाई ने अपने साथियों के साथ मिलकर संजय पर हमला किया। आरोप है कि पहले धारदार हथियार से वार किए गए, इसके बाद बीयर की बोतल से सिर पर हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। शव को गुमठी के पास फेंक कर भागे हत्या के बाद आरोपियों ने युवक का शव बाजार क्षेत्र में उसकी पान की गुमटी के पास फेंक दिया।

तीखड़ जमानी नदी में डूबे दो किसान लापता

एसडीआरएफ की टीम दो दिन से कर रही है तलाश

इटारसी, निप्र। इटारसी के तीखड़ जमानी नदी (बड़ी नहर) में शुक्रवार शाम डूबे दो किसानों का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। घटना को 24 घंटे से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन पुलिस और राहत दलों की लगातार कोशिशों के बावजूद दोनों युवक अब तक लापता हैं।

ग्राम भट्टी के रहने वाले हैं दोनों किसान: पथरोटा थाना प्रभारी संजीव कुमार पवार ने बताया कि डूबे युवकों की पहचान शिवशंकर उर्फ धन्नू वर्मा और छोटू चौधरी के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 35 साल बताई जा रही है। वे ग्राम भट्टी के रहने वाले हैं।

दो दिनों से चलाया जा रहा है सर्च अभियान: घटना के बाद से ही पुलिस, एसडीआरएफ और अन्य राहत दलों की ओर से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। शुक्रवार और शनिवार को एसडीआरएफ टीम ने नहर में तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। रविवार को एक बार फिर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। छोटी कैनाल और बड़ी नहर, दोनों क्षेत्रों में तलाशी ली जा रही है।

तलाशी के दौरान एक अन्य शव बरामद: इसी दौरान तलाश के दौरान एक अन्य शव भी बरामद हुआ, जिसकी पहचान धनराज पिता रामेश्वर चौर (50), निवासी पथरोटा के रूप में की गई है। पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। थाना प्रभारी संजीव कुमार पवार ने बताया कि जब तक दोनों लापता किसानों का पता नहीं चल जाता, तब तक सर्च ऑपरेशन जारी रहेगा।

तवा नहर में सुदृढ़ सिंचाई प्रबंधन से किसानों को निरंतर लाभ

सिवनी मालवा ■ अमृत दर्शन

तवा नहर संभाग सिवनी मालवा द्वारा क्षेत्र में सुव्यवस्थित एवं प्रभावी सिंचाई प्रबंधन सुनिश्चित किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कार्यपालन यंत्री राज्यश्री कटारे ने बताया कि तवा नहर प्रणाली के अंतर्गत लगभग 670 किलोमीटर लंबी नहरों का संचालन किया जा रहा है, जिसमें मुख्य नहरें, माइनर तथा वितरण नहरें शामिल हैं। इन नहरों के माध्यम से सिवनी मालवा सहित आसपास के क्षेत्रों में किसानों के खेतों तक समय पर सिंचाई जल पहुंचाया जा रहा है।

कार्यपालन यंत्री राज्यश्री कटारे ने बताया कि रबी मौसम में लगभग 59,936 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे विभागीय अमले द्वारा सतत निगरानी एवं समन्वय से सफलतापूर्वक पूरा किया जा रहा है। नहरों के अनुरक्षण, मरम्मत एवं जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि अंतिम छोर के किसानों तक भी पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सके।

उन्होंने आगे बताया कि कई वर्षों बाद ग्रीष्मकालीन फसल मूंग के लिए भी सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे किसानों को अल्प अवधि की लाभकारी फसल लेने का अवसर मिला है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

राज्यश्री कटारे ने किसानों को राज्य सरकार द्वारा दी जा रही राहत की जानकारी देते हुए कहा कि जल कर पर लगने वाले ब्याज में छूट की योजना लागू है। यदि किसान समय पर जल कर का भुगतान करते हैं तो उन्हें 13 प्रतिशत तक ब्याज में छूट का लाभ मिलेगा।

यह सुविधा 31 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे निर्धारित समय सीमा में जल कर जमा कर शासन की इस योजना का अधिकतम लाभ उठाएं।

कार्यपालन यंत्री ने कहा कि तवा नहर संभाग का निरंतर प्रयास है कि किसानों को पर्याप्त, समयबद्ध और न्यायसंगत रूप से सिंचाई जल उपलब्ध कराया जाए, जिससे फसल उत्पादन बढ़े और किसान समृद्ध हों।

नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए हुई परीक्षा

नर्मदापुरम, निप्र। जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2026–27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आज शनिवार को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। जिले भर में इस परीक्षा के लिए कुल 17 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा सुबह 11:30 से दोपहर 1:30 बजे तक चली। सभी केंद्रों पर कुल 4986 विद्यार्थियों के परीक्षा देने की व्यवस्था थी। जिसमें 4180 विद्यार्थी उपस्थित रहे। 806 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दोपहर 1.30 बजे पेपर खत्म होते ही बाहर आएं कई विद्यार्थी काफी खुश नजर आएं। विद्यार्थियों ने एक दूसरे से पेपर को लेकर चर्चा की।

परीक्षार्थी आराध्य दुबे, मानस्वी नागराज ने कहा अर्थमैटिक लैंग्वेज इंग्लिश और मेडल एबिलिटी विषय के सवाल पूछे गए। सभी सवाल आसान थे। जिनके जवाब हमने दिए। पेपर अच्छा गया है। परीक्षार्थियों के अभिभावक बड़ी संख्या में केंद्रों के बाहर खड़े रहे। परीक्षा में किसी भी प्रकार की नकल को रोकने के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय संगठन द्वारा सख्ती बरती गई है। सभी परीक्षा केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन और कैमरा पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिए गए हैं।

आत्महत्या रोकथाम विषय पर कार्यशाला का आयोजन

किसी विशिष्ट और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय चुनौती, जैसे हाल ही में बनी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम जैसे मुद्दों का समाधान करना है

सिवनी मालवा ■ अमृत दर्शन

शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नेशनल टास्क फोर्स (NTF) के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक 'ज्ञान के माध्यम से नैतिक और जीवन कौशल चिंता निवारण' कार्यक्रम में प्राचार्य महोदय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य किसी विशिष्ट और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय चुनौती, जैसे हाल ही में बनी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम जैसे मुद्दों का समाधान करना है विद्यार्थियों को अनुशासित जीवन जीना चाहिए जीवन में ध्यान की उपयोगिता महत्वपूर्ण है कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ध्यान प्रशिक्षक डॉ योगेश खंडेलवाल पीएम नर्मदा महाविद्यालय नर्मदा पुरम ने विद्यार्थियों को बताया कि आत्महत्या की रोकथाम के लिए एक समग्र जीवन दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जिसमें स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों पर विचार किया जाता है और इसमें स्वास्थ्य संवर्धन, रोकथाम, शीघ्र हस्तक्षेप, ध्यान जीवन–कौशल प्रशिक्षण और प्रबंधन के साथ–साथ संकटकालीन सहायता और व्यापक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच शामिल होती है। उन्होंने ध्यान क्रियाओं के माध्यम से सभी को रिलैक्सेशन कराया द्य वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ ए के यादव ने बताया कि मानसिक विकारों के बढ़ते बोझ और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को देखते हुए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किया। इसका प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना था, कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल, विशेष अस्पतालों तक सीमित रहने के बजाय, सामान्य स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का एक अभिन्न अंग बन जाए। जिससे आत्महत्या जैसा अपराधों को रोका जा सके द्य कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ नवनीत कुमार सोनारे द्वारा किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में एन टी एफ नोडल अधिकारी डॉ जया कैथवास का विशेष सहयोग रहा द्य इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एस के झा, डॉ सुनील कुमार सोनी, डॉ मोहन सिंह गुर्जर, प्रेम नारायण परते कमल सिंह अहिरवार श्रीमती विजयमालवीय डॉ रश्मि सोनी डॉ निधि छीपा डॉ रेखा पटेल,श्रीमती अंजली भट्ट,तनय सितोरे, कैलाश गढ़वाल सोमेश कुमार राठौर कैलाश विश्वकर्मा एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शाहगंज थाना क्षेत्र में बड़ी पुलिस कार्रवाई

भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद, मचा हड़कंप

बुधनी ■ अमृत दर्शन

बुधनी के नज़दीक शाहगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। यह कार्रवाई एसडीओपी रवि शर्मा के निर्देशन में शाहगंज थाना प्रभारी एवं पुलिस टीम द्वारा की गई।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस ने छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। अचानक की गई इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस द्वारा जब्त शराब की जांच, आरोपियों की पहचान एवं आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन -श्इ/एउ304/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।